



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०]

मई दिल्ली, शनिवार, मार्च ११, १९७८/फाल्गुन २०, १८९९

No. 10]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 11, 1978/PHALGUNA 20, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न बीं जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य ध्वनि प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आवेदन और प्रधिसूचनाएं

**Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

मई दिल्ली, 7 फरवरी, 1978

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 7th February, 1978

का० आ० ६७६;—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1977 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए २१ कलकत्ता उत्तर पश्चिम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लोकनाथ सराफ १८ मुक्तराम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता-७००००७ पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, १९५१ तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतिवेदित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वालिका करने में असफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये प्राप्तवेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम की धारा 10क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एवं द्वारा उक्त श्री लोकनाथ सराफ को किसी संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भारतीय की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचित घोषित करता है।

[सं० १० अ० सं० १० स०/२१/७७]

बी० नागसुब्रामण्यन्, सचिव

S.O. 676.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lokenath Saraf, 18, Muktaram Babu Street, Calcutta-700007, West Bengal State, a contesting candidate for the general election to the House of the People from 21-Calcutta North West Parliamentary constituency, held in March, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lokenath Saraf to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-HP/21/77]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

प्रीधि, न्याय और कार्यक्रम संभालन

(न्याय विभाग)

नई विल्सनी, 3 फरवरी, 1978

का० आ० 677—नेतृत्व-प्रमाणक “नोटोरीज” अधिनियम, 1952 (1952 का 53वां) की धारा 6 के उपबंधों के अनुसार में केन्द्रीय सरकार एवं दिल्ली वर्ष 1978 के प्रारंभ में नियुक्त किये गये और कार्य कर रहे सेव्य प्रमाणकों (नोटोरीज) की सूची प्रकाशित करती हैः—

क्र०	नाम	निवास स्थान तथा व्यावसायिक पता	योग्यता	किस थेट्रे में काम करने के लिये प्राधिकृत है	टिप्पणी		
स०		1	2	3	4	5	6
1.	श्री चन्द्रबर्ती डोरास्वामी	कैथोलिक सेंटर (सूरी मंजिल), 6, आमा० नियन स्ट्रीट, मद्रास-1	अधिवक्ता, मद्रास उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
2.	श्री रस्तम ग्रवेशर गगरात	द्वारा मैसर्स मगरात एंड कॉम्पनी सालिसिटर्स एंड नोटोरीज प्रिलिक ब्लॉक बैम्बस, भोजपुर स्ट्रीट, बम्बई-1	अधिवक्ता, बम्बई उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
3.	श्री बादा हृष्ण बनर्जी	कुंज निवास, 23 ए सरदार शंकर रोड, याना टोलीगंज, कलकत्ता।	अधिवक्ता कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
4.	श्री भगवनी प्रसाद खेतान	1—श्री, ग्रोल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता।	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
5.	श्री रवीन्द्र हृष्ण देव	टेल्पल बैम्बस 6, ग्रोल्ड पोस्ट, ऑफिस न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय।	पूरे भारत में	—	—		
6.	श्री हिमांशु प्रकाश गंगुली	१, इसर दल लेन, हावड़ा (प० बंगाल)	अधिवक्ता, कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
7.	श्री मुहीर कुमार दे मलिक	द्वारा मार्टिन बने लि० १२, मधीनरी एस्टेंशन, कलकत्ता।	न्यायवादी कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
8.	श्री राम भोहन घट्टर्जी	द्वारा मैसर्स थोर०, दिग्नम एंड कॉ०, सालिसिटर्स, २०, नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता।	सालिसिटर, कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
9.	श्री प्रभूदयाले हिमतसिंगका	६, ग्रोल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
10.	श्री पुष्पदत्त शौस	१०, किरण शंकर राय रोड, कलकत्ता-१	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
11.	श्री विक्टर इलियास मोसेज	६, ग्रोल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता-१	न्यायवादी, कलकत्ता उच्च न्यायालय	पूरे भारत में	—		
12.	मुख्यराज बधावन	अधिवक्ता, जलंधर सिटी, पंजाब ३१९, पटेल नगर (पूर्व) नई विल्सनी नं० ३०६०, अर्बावालान, विल्सनी।	अधिवक्ता, पंजाब उच्च न्यायालय	पंजाब तथा उत्तर प्रदेश विल्सनी संघ शासित थेट्रे	—		
13.	श्री मनोहर लाल कपूर	अधिवक्ता, पंजाब उच्च न्यायालय	पंजाब उच्च न्यायालय	विल्सनी संघ शासित थेट्रे	—		
14.	श्री हर प्रसाद मेहरा	३२१८, जी टी रोड, जलंधर सिटी, पंजाब ७/१३, पटेल नगर (पूर्व), नई विल्सनी।	अधिवक्ता पंजाब उच्च न्यायालय	पंजाब तथा उत्तर प्रदेश	—		
15.	श्री गंगा विश्वन कपूर	अधिवक्ता उच्च न्यायालय	अधिवक्ता उच्च न्यायालय	विल्सनी संघ शासित थेट्रे	—		
16.	श्री राम विश्वनाथ	८/१३, पटेल नगर (पूर्व), नई विल्सनी	अधिवक्ता उच्च न्यायालय	पंजाब संघ शासित थेट्रे	—		
17.	श्री ब्रज बहादुर अविनेश्वरी	सीतापुर, उत्तर प्रदेश	बकील	जिला सीतापुर (उत्तर प्रदेश)	—		
18.	श्री चमनलाल अरोड़ा	१०२-यू कोर्ट रोड, अमृतसर (पंजाब)	अधिवक्ता	जिला अमृतसर, पंजाब	—		
19.	श्री दमोदर देवजी दमोदर	द्वारा मैसर्स कांगा एंड कॉ०, सालिसीटर्स बैशनस०, ४३, बी० निमिण रोड, बम्बई	सालिसिटर	महाराष्ट्र	—		
20.	श्री देव प्रसाद धोप	१२, गवर्नरमेंट लैस (पूर्व) कलकत्ता-१	न्यायवादी	पूरे भारत में	—		
21.	श्री नायमल हिमतसिंगका	६, ग्रोल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	न्यायवादी	पूरे भारत में	—		
22.	श्री नवल एस० फतरफेंकर	द्वारा मैसर्स थाफोर्ड बेली एंड कॉ०, पैड्गोकेट स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट बम्बई-१	पैड्गोकेट	पूरे भारत में	—		
23.	श्री राम किशन गर्ग	५६, ग्रोल्ड विजय नगर कालोनी, आगरा उत्तर प्रदेश	बकील, आगरा	जिला आगरा	—		
24.	श्री सी० एच० पार्वीवाला	सालिसिटर द्वारा मैसर्स काफोर्ड बेले एन्ड सालिसीटर कॉ०, स्टेट बैंक बिल्डिंग, बैंक, स्ट्रीट बम्बई-१	सालिसीटर	पूरे भारत में	—		

1	2	3	4	5	6
25.	श्री साधिन्दु रेण	न्यायवाची, टेम्पल बैमवर्स, पहुंची भंजिल, न्यायवाची 6 ब्रोड बोस्ट फ्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	कलकत्ता	—	—
26.	श्री हो० ए० मेहता	प्रधिवक्ता, 43-बी, हनुमान रोड, नई दिल्ली	बार-एट-ला	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
27.	श्री दुर्ग प्रसाद तुलस्यान	प्रधिवक्ता, मुनशुन, (राजस्थान)	प्रधिवक्ता	जिला मुनशुन	—
28.	श्री मनोहर लाल गिरधारीलाल	सालिसिटर, द्वारा भारी शंकर कांगा एंड वॉशिंग्टन	न्यायवाची, बम्बई उच्च न्यायालय गुजरात और महाराष्ट्र	—	—
29.	श्री हेवर मिश्रा	प्रधिवक्ता, फाटक बोड सलीम, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	प्रधिवक्ता	वाराणसी डिवीजन (उ०प्र०)	—
30.	श्री नूर भोहम्मद	प्रधिवक्ता, उदयपुर, राजस्थान	प्रधिवक्ता	जिला उदयपुर	—
31.	श्री सुधीर कुमार शील	द्वारा मैसर्स संदरसन्स एंड मोरगन्स, सालिसिटर सालिसीटर्स रायल, इंशोरेन्स, भवन 5 व 7 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1	सालिसिटर	पूरे भारत में	—
32.	श्री जितेन्द्र नाथ सन्धाल	द्वारा मैसर्स संदरसन्स एंड मोरगन्स, सालिसिटर इंशोरेन्स भवन, 5 व 7 नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता-1	—	पूरे भारत में	—
33.	श्री इन्द्र रेण इसरानी	प्रधिवक्ता, जे-५४, हठ्ठी मार्ग, जयपुर, (राजस्थान)	प्रधिवक्ता	जयपुर शहर और जिला	—
34.	श्री पी० सी० कुरियन	३३३, धम्बू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-१	प्रधिवक्ता	मद्रास तथा केरल	—
35.	श्री गुरदयाल सिंह सिंधू	नं० १, डेकोहा, जलंधर (पंजाब)	प्रधिवक्ता	जिला जलंधर	—
36.	श्री सी० एस० बेंकटसुब्रमण्यन्	१४०, क्रास कट रोड, कोयम्बटूर १२	प्रधिवक्ता	जिला कोयम्बटूर	—
37.	श्री पुडकर लाल जुनेजा	एफ-२, भगतसिंह मार्केट, लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली तथा एफ-१, शंकर मार्केट कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।	प्रधिवक्ता	पूरे भारत में	—
38.	श्री चुनीलाल भाटिया	सी ४/६४सी, जनकपुरी, नई दिल्ली	प्रधिवक्ता	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
39.	श्री जगननाथ	मोगा, जिला फिरोजपुर पंजाब	एडवोकेट	मोगा मुख्यालय सहित फिरोजपुर/जिला मोगा मुख्यालय सहित केर फीरोजकोट जिले में बकालत करने के लिए भी प्राधिकृत है ।	—
40.	श्रो रामजोदास मिंगल	गुरद्वारा स्ट्रीट, भंडिडा (पंजाब)	प्रधिवक्ता	जिला भंडिडा	—
41.	श्री जी० बी० भट्ट	मैसर्स भट्ट एंड सलाना मेकर भवन नं० १ सर विठ्ठलदास ठाकरेस मार्ग, बम्बई-२०	सालिसीटर तथा प्रधिवक्ता	पूरे भारत में	—
42.	श्री देवराज सिंह त्यागी	प्रधिवक्ता, ब्लॉकटोरेट कोट, बुलन्दशहर, उ० प्र०	प्रधिवक्ता	जिला बुलन्दशहर, उ० प्र०	—
43.	श्री बालकृष्ण	प्रधिवक्ता, हनुमानगढ़ टाउन जिला गंगानगर (राजस्थान)	प्रधिवक्ता	जिला गंगानगर मुख्य कायरिय हनुमान गढ़ (राज०)	—
44.	श्री एम० घार० मेहता	प्रधिवक्ता, बलोत्रा (राजस्थान)	प्रधिवक्ता	जिला बालोत्रा जालौर मुख्य कायरिय बलोत्रा (राजस्थान)	—
45.	श्री डी० डी० कक्कर	प्रधिवक्ता, ३६/०, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली	प्रधिवक्ता	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
46.	श्री जी० सी० बर्मा	प्रधिवक्ता, भ्रोथकमीनर ६/१२, प्रीन पार्क	प्रधिवक्ता व भ्रोथ कभीश्मर नई दिल्ली ।	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
47.	श्री पी० एल० गांधी	प्रधिवक्ता, गांधी बाग के सामने, सूरत	प्रधिवक्ता	सूरत जिला	—
48.	श्री ए० घार० मल्कानी	प्रधिवक्ता, बी बी जेड ६, गांधीधाम, (कच्छ)	प्रधिवक्ता	जिला कच्छ का अंजार ताल्सुक	—
49.	श्री एन० सी० शाह	द्वारा खेतान एंड को० सालिसिटर/बी० ग्रोल्ड कलकत्ता पोस्ट फ्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता ।	प्रधिवक्ता	कलकत्ता और नई दिल्ली	—

1	2	3	4	5	6
50.	श्री टी० दलीप सिंह	द्वारा मैसर्स किंग एण्ड परट्रिज, दूसरी मजिल कैथेलिक सेंटर, अमेनियन स्ट्रीट पो० आक्स नं० 121 मद्रास-1	अधिवक्ता, कलकत्ता	पूरे भारत में	—
51.	श्री जे० आर० गगरात	द्वारा मैसर्स गगरात को० अल्ली चैम्बर्स, नायनाराम सास्टर, रोड फोर्ट, बम्बई-1	अधिवक्ता, बम्बई	पूरे भारत में	—
52.	श्री आर० सेतलूर	द्वारा काफोर्ड बैने एंड को०, स्टेट चैक अटार्नी तथा अधिवक्ता, बम्बई बिल्डिंग, चैक स्ट्रीट, बम्बई-1	अधिवक्ता, बम्बई	पूरे भारत में	—
53.	श्री ब्रजमोहन मेहता	13-ए०/२, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-७	अधिवक्ता, नई दिल्ली	दिल्ली संबंध सासित धेन	—
54.	श्री नैनी गोपाल दत्ता	५६/१, एम एन सेन लेन, तोलीगंज, जिला २४-परगना प० मंगाल	अधिवक्ता, कलकत्ता	जिला २४-परगना, अलीपुर कलकत्ता	—
55.	श्री सुरजीत सिंह सुब्र	२३, नेताजी पार्क, जलंधर सिटी (पंजाब)	अधिवक्ता, जलंधर	जलंधर	—
56.	श्री आजीत सिंह बेन्स	३७६ एल, माडल टाउन, जलंधर सिटी (पंजाब)	अधिवक्ता	जलंधर	—
57.	श्री के० जे० खम्बाता	राजव महल, १४४, क्वीन्स रोड, बम्बई-२०	अधिवक्ता, बम्बई	पूरे भारत में	—
58.	श्री अम्बेलाल बाबा भाई पठेल	विद्या स्ट्रीट, डाकघासा नवसारी, जिला बुलसार (गुजरात)	अधिवक्ता	बुलसार जिला (गुजरात)	—
59.	श्री पूनम अन्द सोमचन्द शाह	द्वारा मैसर्स पूर्णचन्द एंड को०, सालिसिटर्स गुजरात सरकार, अद्वितीय हरिदास कालोनी, नवजीवन प्रेस रोड, अहमदाबाद-१४	अधिवक्ता	गुजरात	—
60.	श्री बी० टी० मर्चेन्ट	द्वारा मैसर्स ठाकुर वास एंड मडगायकर, फोर्ट चैम्बर्स, झीन लेन, फोर्ट, बम्बई ४००००१	अटार्नी तथा अधिवक्ता	पूरे भारत में	—
61.	श्री हस्तम आर दावाचन्जी	धून बिल्डिंग, प्रथम मंजिल २३/२५ धोगा स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई-१	अधिवक्ता	प्रेटर बम्बई-१	—
62.	श्री एच० एम० खगत	द्वारा अम्बूभाई व दीवाजी, लेटिन चैम्बर्स ब्लाल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई तथा द्वारा अम्बूभाई व दीवानजी सालीमिटर एंड एडवोकेट्स, चैक आफ हृडिया बिल्डिंग, अहमदाबाद-३८०००१	अधिवक्ता तथा सालीसीटर्स	गुजरात	—
63.	श्री एच० बी छत्रपति	द्वारा मैसर्स भाई शंकर कांगा एंड गिरधारी लाल मनिकजी वाडिया बिल्डिंग ब्लै लेन, फोर्ट, बम्बई-४००००१, तथा द्वारा मैसर्स भाई शंकर कांगा एंड गिरधारीलाल, गुजरात समाजार भवन, खानपुर, अहमदाबाद।	अधिवक्ता तथा सालीसीटर्स	गुजरात	—
64.	श्री जी एस अय्यास	३५, साथर्थ नगर, जीयराज पार्क रोड, एल्सिस श्रीज, अहमदाबाद-७	अधिवक्ता	अहमदाबाद	—
65.	श्री अमर सिंह	जमियत सिंह रोड, मोगा जिला फरीद्कोट, पंजाब	अधिवक्ता	मोगा, जिला फरीद्कोट, (पंजाब)	—
66.	श्री बी एच प्रतिया	द्वारा मैसर्स मुल्ला एंड मुल्ला एंड केंगी ब्लन्ट एंड कारों, सालीसीटर्स एंड नोटे-रीज जहांगीर वाडिया, बिल्डिंग, ५१, महारामा गांधी रोड, बम्बई-४००००१	अटार्नी तथा अधिवक्ता	पूरे भारत में	—
67.	श्री बी पी शुक्ल	सुनातार बिल्डिंग, टाउन हाल के सामने राजकोट (गुजरात)	अधिवक्ता	राजकोट तथा जूनागढ़ जिले	—
68.	श्री बी० के शाह	मनसुख निवास, नानी छिपवाड़, बड़ीदा-६	अधिवक्ता	बड़ीदा	—
69.	श्री रमेश जे० मेहता	अधिवक्ता, निश्चयद (जिला कैरा), गुजरात राज्य।	अधिवक्ता	कैरा तथा पंचमहल जिले	—
70.	श्री अमर अन्द दत्त	द्वारा मैसर्स फालर एंड को०, १२ गवर्नरमेट प्लेस, इंटर्नेट, कलकत्ता-१	अधिवक्ता	कलकत्ता	—
71.	श्री बस्तलाल डी० मेहता	द्वारा मालवी रंबोदाम एंड कं०, सालिसीटर्स एंड एडवोकेट्स, युसुफ बिल्डिंग महारामा गांधी रोड, फोर्ट बम्बई ४००००१.	सालिसिटर्स	महाराष्ट्र	—

1	2	3	4	5	6
72.	श्री प्रकाश चन्द जैन	82, खुरवारा, वेहराहून	अधिकृतता	पश्चिम उत्तराखण्ड (यू०पी०) के साथ सुध्य कार्यालय, वेहराहून	—
73.	श्री मोहस एफ० करमालावाल	चंचेट, चैम्बर५, नई मेरिन लाईन कमरा नं. ६११, ६ फ्लॉर, बम्बई १	सालिसीटर	पूरे भारताष्ट्र के साथ सुध्य कार्यालय, बम्बई	—
74.	श्री वर्षन सिंह	ए-३२१, डिकेन्स कालोनी नई विल्ली	एडवोकेट	विल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
75.	श्रीमती के० बी० देसाई	५, भारत कालोनी, सरदार पटेल कालोनी नजदीक, अहमदाबाद-१४	एडवोकेट	अहमदाबाद	—
76.	श्री मोहिन्दर सिंह	२७७, सदन गेट, जलधर, (पंजाब)	वकील	गजलंधर	—
77.	श्री राजेन्द्र कुमार भद्र	एस-४०१, वेटर कैनाण, नई दिल्ली ४८	एडवोकेट	दिल्ली संघ	—
78.	श्री नारायण प्रसाद गोयल	ई-१६५, नारायण विहार, नई दिल्ली-२८	एडवोकेट	दिल्ली संघ शासित क्षेत्र	—
79.	श्री के० बी० घोषस	विराजकोट कूर्ग जिला, कर्नाटक	एडवोकेट	कूर्ग जिला	—
80.	श्री बी० हसन कोया	मालपुरम, कालीकट, केरल	अधिकृतता	जिला कालीकट तथा मालपुरम	—
81.	श्री सलिल कुमार गंगूली	मैसर्स एस के० गंगूली एंड को० सालिसीटर ५०, रामतनु बोस लेन, कलकत्ता।	एटर्नी एट-ला तथा अधिकृतता	कलकत्ता	—
82.	श्री पल्लव कुमार बनर्जी	मैसर्स टी बनर्जी एंड को०, सालिसीटर मैसर्स टी बनर्जी एंड को०, सालिसीटर तथा अधिकृतता तथा एडवोकेट, "टेम्पल बैम्बर्स", न० ६ ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	कलकत्ता	—	
83.	श्री एम० वाई० एस० मेनन	मैसर्स मजुमदार एंड को०, इसमाइल बिल्डिंग ३८१, डा० डी० एन० रोड, (फ्लोरा फाउन्टेस), बम्बई।	सालिसीटर तथा अधिकृतता	प्रेटर बम्बई	—
84.	श्री विज भूषण गुप्त	कलाल माजरा, अम्बाला सीटी	अधिकृतता	अम्बाला सीटी	—
85.	श्री रघुबीर सिंह कुलहर	चिरावा तहसील, राजस्थान	अधिकृतता	चिरावा तहसील	—
86.	श्री रालामत राय औ० गुरुदानी	२०२, कंवर नगर, राजमहल का तालाब, जयपुर	अधिकृतता	जयपुर	—
87.	श्री नन्द किशोर पारिश्व	३२१, नहरगढ़ रोड, गोपाल हस्थाई को० गली, जयपुर	अधिकृतता	जयपुर-१	—
88.	श्री ग्रिलेश्वर दास बडगेन	ए-१८, ग्रांतिपथ लिलक नगर, जयपुर	अधिकृतता	जयपुर-१	—
89.	श्री डॉ. आर० जेवला	मैसर्स डी० आर० जेवला एंड को०, सालिसीटर एंड अधिकृतता सालिसीटर "रैमनी वेंशन" ४३, वीर नारोमन रोड, फोटो, बम्बई	सालिसीटर एंड अधिकृतता	प्रेटर बम्बई	—
90.	श्री एम० जी० दोपित	मैसर्स एम० जी० दोपित एंड को० सालिसीटर ३५, एम्बेसी मार्केट, अहमदाबाद	सालिसीटर	गुजरात और महाराष्ट्र	—

[सं० २२/१/७८-(न्याय)]
आर० बासुदेवन, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 3rd February, 1978

S. O. 677.—In pursuance of the provisions of Section 6 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Central Government hereby publishes a list of Notaries appointed by them and in practice at beginning of the year 1978 :—

Sl. No.	Name of Notary	Residential & Qualifications	Area in which he is authorised to practice		
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Chakravarthi Dora-swamy.	Catholic Centre (2nd Floor) 6 Armanian Street, Madras-1.	Advocate Madras High Court	Whole of India	—
2.	Shri Rustam Ardeshir Gagrat.	C/o M/s. Gagrat & Co. Solicitors & Notary Public, Alli Chambers, Medows Street, Bombay-1.	Advocate Bombay High Court	Whole of India	—
3.	Shri Bata Krishan Banarji	Koonja Nibas, 23-A Sardar Shankar Road, P.S. Tollygunj, Calcutta.	Advocate Calcutta High Court	Whole of India	—

1	2	3	4	5	6
4.	Shri Bhagwati Prasad Khatan.	1-B Old Post Office Street, Calcutta	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
5.	Shri Rabindra Krishna Deb.	Temple Chambers, 6 Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
6.	Shri Himansu Prakash Ganguli.	4 Issur Dutt Lane, Howrah (West Bengal.)	Advocate Calcutta High Court.	Whole of India	—
7.	Shri Sudhir Kumar Dey Mullick.	C/o Martin Burn Ltd., 12 Mission Row Extension, Calcutta-1.	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
8.	Shri Rash Mohan Chatterjee.	C/o M/s. Orr. Dignam & Co., Solicitors 29, Netaji Subhas Road, Calcutta.	Solicitor, Calcutta High Court.	West Bengal, Assam, Bihar, U.P. and Punjab.	—
9.	Shri Prabhudayal Himat singka.	6, Old Post Office Street, Calcutta	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
10.	Shri Punyabarata Bose.	10 Kiran Shankar Roy Road, Calcutta	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
11.	Shri Victor Elias Moses	6, Old Post Office Street, Calcutta	Attorney-at Law, Calcutta High Court.	Whole of India	—
12.	Shri Mulkh Raj Wadhwan	Advocate, Jullundur City Punjab.	Advocate, Punjab High Court.	Punjab & U.P.	—
13.	Shri Manoharlal Kapur	3/9 Patel Nagar, (East), New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi	—
14.	Shri Herpershad Mehra	No. 3060, Charkhewalan Delhi.	Advocate Punjab High Court.	Union Territory of Delhi	—
15.	Shri Ganga Bishan Kapur	318, G.T. Road, Jullundur City, Punjab.	Advocate, Punjab High Court.	Punjab & U.P.	—
16.	Shri Ram Ditta Mall	7/13, Patel Nagar, (East), New Delhi.	Advocate, Supreme Court.	Union Territory of Delhi Rajasthan, Punjab & U.P.	—
17.	Shri Brij Bahadur Agnihotri.	Sitapur, U.P.	Vakil	Sitapur, District (U.P.)	—
18.	Shri Chaman Lal Atora	10, New Court Road, Amritsar, Punjab.	Advocate	Amritsar District (Punjab).	—
19.	Shri Damodar Devji Damodar.	C/o M/s Kanga & Co. Solicitors Ready-money Mansions 43 Veer Nirman Road, Bombay.	Solicitor	Maharashtra	—
20.	Shri Deba Prasad Ghosh	12, Govt. Place East, Calcutta-1	Attorney	Whole of India	—
21.	Shri Nathmal Himatsingka.	6 Old Post Office Street, Calcutta.	Attorney	Whole of India	—
22.	Shri Nawal S. Phatarphckar.	C/o M/s. Crawford Bayley & Co. Advocate State Bank Building, Bank Street, Bombay-1.	Advocate	Whole of India	—
23.	Shri Ram Kishan Garg	56 Old Vijay Nagar Colony Agra (U.P.)	Vakil Agra	Agra District	—
24.	Shri C.H. Pardiwala	Solicitor, C/o M/s. Crawford Bayley & Co. State Bank Bldgs. Bank St. Bombay.	Solicitor	Whole of India	—
25.	Shri Sachindra C. San	Attorney-at-law Temple Chambers 1st Floor 6 Old Post Office St. Calcutta.	Attorney	Calcutta	—
26.	Shri D.A. Mehta	Advocate, 43-B Hanuman Road, New Dehli.	Bar-at-law	Union Territory of Delhi	—
27.	Shri Durga Prasad Tulsyan.	Advocate, Jhunjhunu (Rajasthan)	Advocate	Jhunjhunu District (Rajasthan)	—
28.	Shri Manoharlal Girdharlal Doshit.	Solicitor, C/o Bhai Shankar Kanga & Girdhar Lal, Solicitors Gujarat Samachar Bhawan, Khanpur, Ahmedabad.	Attorney, High Court, Bombay	Gujarat & Maharashtra	—
29.	Shri Haider Mirza	Advocate, Phatak Sheikh Saleem Varanashi (U.P.)	Advocate	Varanasi Division U.P.	—
30.	Shri Noor Mohammed	Advocate Udaipur (Rajasthan)	Advocate	Udaipur (District)	—
31.	Shri Sudhir Kumar Seal	C/o M/s. Sandersons & Morgans Solicitors Royal Insurance Bldgs 5 & 7 Netaji Subhas Road, Calcutta-1.	Solicitor	Whole of India	—
32.	Shri Jitendra Nath Sanual	C/o M/s. Sandersons & Morgans, Solicitors Royal Insurance Buildings, 5 & 7 Netaji Subhas Road, Calcutta-1.		Whole of India	—

1	2	3	4	5	6
33.	Shri Indersen Israni	Advocate, J-54 Krishna Marg, Jaipur (Raj.)	Advocate	Jaipur City & District	—
34.	Shri P.C. Kurian	333, Thembu Chetty Street, Madras-1.	Advocate	Madras and Kerala	—
35.	Shri Gurdyal Singh	No. 1 Dekoha Jullundur (Punjab). Sindhoo.	Advocate	Jullundur District	—
36.	Shri C.S. Venkata- Subramanian.	140 Cross Cut Road, Coimbatore-12.	Advocate	Coimbatore District	—
37.	Shri Pushkar Lal Juneja	F-2 Bhagat Singh Market, Lady Hardinge Road, New Delhi and F-1 Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi.	Advocate	Whole of India	—
38.	Shri Chuni Lal Bhatia	C 4A/68C, Janakpuri, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi	—
39.	Shri Jagan Nath	Moga, District Ferozepore (Punjab)	Advocate	Ferozepur Distt. with Headquarter at Moga. Also authorised to practice in and throughout Faridkot Distt. with Headquarters at Moga.	—
40.	Shri Ramji Das Singal	Gurdwara Street, Bhatinda (Punjab)	Advocate	Bhatinda District	—
41.	Shri G.V. Bhatt	M/s. Bhatt & Saldana Makar Bhavan No. 1 1, Sir Vithaldas Thackersy Marg, Bombay.	Attorney & Advocate	Whole of India	—
42.	Shri Deoraj Singh Tyagi	Advocate, Collectorate's Courts, Advocate Bullandshahr (U.P.)	Advocate	District Bullandshahr (U.P.)	—
43.	Shri Bal Krishan	Advocate Hanumangarh Town Dis- trict Ganganagar (Rajasthan).	Advocate	District Ganganagar with Headquarters at Hanumangarh (Rajasthan).	—
44.	Shri S.R. Mehta	Advocate Balotra (Rajasthan)	Advocate	District of Barmer and Jalore with Headquarters at Baletra (Rajasthan).	—
45.	Shri D.D. Kakkar	Advocate, 36/9, East Patel Nagar, New Delhi-8.	Advocate	Union Territory of Delhi.	—
46.	Shri G.C. Verma	Advocate Oath Commissioner E/12, Green Park, New Delhi.	Advocate-com-Oath Commissioner	Surat Union Territory of Delhi.	—
47.	Shri P.L. Gandhi	Advocate, Opposite Gandhi Baug, Surat.	Advocate	Surat Distt.	—
48.	Shri A.R. Malkani	Advocate BBZ-N-6 Gandhidham (Kutch).	Advocate	Anjar Taluka of Kutch District	—
49.	Shri N.C. Shah	C/o Khaftan & Co., Solicitors, 1-B Old Post Office Street, Calcutta-1.	Advocate Calcutta	Calcutta and New Delhi	—
50.	Shri T. Dulip Singh	C/o Messrs King & Partridge, 2nd Floor, Catholic Centre, Armanian Street, East Box No. 121, Madras-1.	Advocate Madras	Whole of India	—
51.	Shri J.R. Gagrat	C/o M/s. Gagrat & Company, Alli Chambers, Nagindas Master Road Fort Bombay-1.	Advocate Bombay	Whole of India	—
52.	Shri R. Setlur	C/o Crawford Baylay & Co. State Bank Bldgs. Bank Street, Bombay-1.	Attorney & Advocate Bombay.	Whole of India	—
53.	Shri Brij Mohan Mehta	13A/2, Rajinder Nagar, New Delhi-7.	Advocate New Delhi.	Union Territory of Delhi	—
54.	Shri Nani Gopal Datta	56/1, M.N. SenLane Tollygunge, Distt. 24 Parganas, West Bengal.	Advocate Calcutta	District-24, Parganas Alipore Calcutta.	—
55.	Shri Surjit Singh Sood	23, Netaji Park Jullundur City, (Punjab)	Advocate Jullundur	Jullundur	—
56.	Shri Jagjit Singh Bains	376-L, Model Town Jullundur City (Punj.)	Advocate Jullundur	Jullundur	—
57.	Shri K.J. Khambata	Rajab Mahal, 144, Queens Road, Bombay-20.	Advocate Bombay	Whole of India	—
58.	Shri Ambelal Bhavabhai Patel.	Vaidya Street, P.O. Navasari District	Advocate Bulsar (Gujarat).	Bulsar District (Gujarat)	—

1	2	3	4	5	6
59.	Shri Punamchand Somchand Shah.	C/o Messrs Purnanand and Co. Solicitors to Govt. of Gujarat 'Shradhe' Haridas Colony, Navjiwan Press, Road, Ahmedabad-14.	Advocate	Gujarat	—
60.	Shri B.T. Merchant	C/o Messrs Thakordas & Madgavakar, Fort Chambers, Dean Lane Fort, Bombay-400001.	Attorney & Advocate	Whole of India	—
61.	Shri Rustam R. Dadachanji.	Dhun Building, 1st Floor, 23/25 Ghongha Street, Fort Bombay.	Advocate	Greater Bombay	—
62.	Shri H.M. Bhagat	C/o Ambubhai & Diwaji, Lentini Chambers, Dalal Street, Fort Bombay. And C/o Ambubhai & Diwanji, Solicitors & Advocates, Bank of India Building, Ahmedabad-381001.	Advocate & Solicitor	Gujarat	—
63.	Shri H.V. Chhatrapati	C/o Messrs Bhai-Shanker Kanga & Girdharilal, Manakji wadia Building Bell Lane, Fort, Bombay-400001. And C/o Messrs Bhaishankar Kanga and Girdharilal Gujarat Samachar Bhawan, Kanpur, Ahmedabad-380001.	Advocate & Solicitor	Gujarat	—
64.	Shri G.S. Vyas	35, Lavanunagar Jivaraj Park Road, Ellis Bridge, Ahmedabad-7.	Advocate	Ahmedabad	—
65.	Shri Amar Singh	Jamiat Singh Road Moga, District Faridkot (Punjab).	Advocate	Moga Distt. Faridkot (Punjab).	—
66.	Shri B.M. Anita	C/o Messrs Mulla & Mulla & Craigie Blunt & Caroe, Solicitors and Notaries, Jahangir Wadia Building 51 Mahatma Gandhi Road Bombay-400001.	Attorney & Advocate	Whole of India	—
67.	Shri B.P. Shukla	Rugnath Building Opp. Town Hall Rajkot (Gujarat).	Advocate	Rajkot & Junagadh District.	—
68.	Sh. B.K. Shah	Mansukh Niwas Nani Chhipwad Baroda-6.	Advocate	Baroda	—
69.	Shri Ramesh J. Mehta	Advocate, Nadiad District Gujarat State.	Advocate	Kaira & Panchmahals Districts.	—
70.	Sh. Amar Chand Dutt	C/o Messrs Fowler and Co. 12 Government Place, East, Calcutta-1.	Advocate	Calcutta	—
71.	Shri Vasantlal D. Mehta	C/o Malvi Ranchodas & Co., Solicitors and Advocate Yusuf Building, Mahatma Gandhi Road, Fort Bombay-400001.	Solicitor	Maharashtra	—
72.	Sh. Prakash Chand Jain	82, Khurbara Dehradun.	Advocate	Judgeship of West Uttarakhand (U.P.) with office at Dehradun	—
73.	Shri Moiz F. Karmalawala.	Churchgate Chambers 5, New Marine Lines Room No. 611, 6th Floor Bombay-400020.	Solicitor	Whole of the State of Maharashtra with Hqr. at Bombay	—
74.	Sh. Darshan Singh	A-321-Defence Colony, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi	—
75.	Mrs. K.V. Desai	5, Bharat Colony, Near Sardar Patel Colony, Ahmedabad-14.	Advocate	Ahmedabad	—
76.	Sh. Mohinder Singh	277, Sardar Gate Jullundur (Pb.)	Pleader	Jullundur	—
77.	Sh. Rajendra Kumar Bhatt.	S-401, Greater Kailash, New Delhi-48.	Advocate	Union Territory of Delhi	—
78.	Sh. Narain Goyal.	E-165, Narain Vihar New Delhi-28.	Advocate	-do-	—
79.	Sh. K.V. Thomas	Virajpet Coorg Distt. Karnataka.	Advocate	Coorg. District	—

1	2	3	4	5	6
80.	Sh. V. Hassan Koya	Chalapuram, Calicut, Kerala.	Advocate	Calicut & Malappuram Dist.	—
81.	Shri Salil Kumar Ganguli	M/s. S.K. Ganguli & Co. Solicitors 50, Ramtanu Bose Lane, Calcutta.	Attorney-at-Law & Advocate	Calcutta	—
82.	Shri Pallav Kumar Banerjee	M/s. T. Banerjee & Co. Solicitors & Advocates, 'Temple Chambers' No. 6, Old Post Office Street, Calcutta.	Solicitor & Advocate	Calcutta	—
83.	Shri M.Y.S. Memon	M/s. Majumdar & Co. Ismail Building 381, Dr. D.N. Road (Flora Fountains) Bombay.	Solicitor & Advocate	Greater Bombay	—
84.	Shri Brij Bhushan Gupta	Kalal Majri, Ambala City.	Advocate	Ambala City	—
85.	Shri Raghbir Singh	Chairawa Tehsil Rajasthan.	Advocate	Chairwa Tehsil	—
86.	Shri Salamatrai O. Gurbany	202, Kanwar Nagar Rajamal-ka-talab, Jaipur.	Advocate	Jaipur	—
87.	Shri Nand Kishore Pareek	321, Nahargarh Road, Gopal Halwai ki Gali, Jaipur.	Advocate	Jaipur	—
88.	Shri Akhileshwar Badgel	A-18, Shanti Path, Tilak Nagar, Jaipur.	Advocate	Jaipur	—
89.	Shri D.R. Zaiwalla	M/s. S.D.R. Zaiwalla & Co. 'Ready-money Mansion 43, Veer Nariman Road, Fort, Bombay.	Solicitor & Advocate	Greater Bombay	—
90.	Shri M.G. Doshit	M/s. M.G. Doshit & Co. Solicitor 35, Embassy Market Ahmedabad.	Solicitor	Gujarat & Maharashtra	—

[No. 22/1/78-Jus.]

R. VASUDEVAN, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई विलीन, 26 नवम्बर, 1977

प्रायकर

क्रा० आ० 678.—मर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोगों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (i) यह कि सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्था अहमदाबाद द्वारा इस छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का उपयोग केवल समाज विज्ञान के लेवर में अनुसंधान की अभिवृद्धि के लिए हो किया जाएगा।
- (ii) यह कि संस्था इस छूट के अधीन एकत्र की गई निधियों का हिंगाब अलग से रखेगी।
- (iii) यह कि सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्था, अहमदाबाद भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली को, इस छूट के प्रधीन एकत्र निधियों और उनके उपयोग की रीति विभिन्न करते हुए, एक आर्थिक रिपोर्ट भेजेगी।

संस्था

सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्था अहमदाबाद।
यह अधिसूचना तुरन्त प्रभायी होगी।

[सं० 2052/फा० सं० 203/65/77-आईटीए II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 26th November, 1977

INCOME-TAX

S.O. 678.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—

- (i) That the funds collected by the Sardar Patel Institute of Economic and Social Research, Ahmedabad under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
- (ii) That the Institute shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
- (iii) That the Sardar Patel Institute of Economic and Social Research, Ahmedabad shall send an Annual Report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Sardar Patel Institute of Economic and Social Research, Ahmedabad.

This notification is effective with immediate effect.

[No. 2052/F. No. 203/65/77-ITA II]

प्रायकर

क्रा० आ० 679.—मर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आगकर अधिनियम, 1961

की आरा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है।

- (i) यह कि विवेकानन्द महाविद्यालय, मद्रास द्वारा इस छूट के प्रधीन भवित्व निधियों का उपयोग एकमात्र समाज विज्ञान के अनुसंधान की उन्नति के लिए ही किया जाएगा।
- (ii) यह कि विवेकानन्द महाविद्यालय इस छूट के प्रधीन संप्रह की गई निधियों का हिसाब अलग से रखेगा।
- (iii) यह कि विवेकानन्द महाविद्यालय, मद्रास छूट के प्रधीन एकत्र की गई निधियों का और वह रीति जिसमें उनका उपयोग किया गया है वर्णित करते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् को भेजेगी।

संस्था

विवेकानन्द महाविद्यालय, मायलापुर, मद्रास।

यह अधिसूचना 1-4-77 से 31-3-1980 तक 3 वर्ष की प्रवधि तक प्रभावी रहेगी।

[सं. 2053/फा० सं. 203/121/77-आई ईए II]

S.O. 675.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—

- (1) That the funds collected by the Vevekananda College, Madras, under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.
- (2) That the Vevekananda College shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
- (3) That the Vevekananda College, Madras, shall send an Annual Report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Vevekananda College, Mylapore, Madras

This notification is effective for a period of 3 years from 1-4-77 to 31-3-1980.

[No. 2053/F. No. 203/121/77-ITA II]

आय-कर

का० आ० 680.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1961 की आरा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (i) यह कि सेन्टर फार एंप्रेयिन रिसर्च ट्रेनिंग एंड एजूकेशन गाजियाबाद छूट के प्रधीन अपने द्वारा एकत्र निधियों का हिसाब अलग से रखेगा।
- (ii) यह कि ऐसी निधियों का उपयोग केवल सामाजिक विज्ञानों के अनुसंधान की प्रभिवृद्धि के लिए ही किया जाएगा।
- (iii) यह कि उक्त सेन्टर भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली को छूट के प्रधीन एकत्र निधियों और उनके उपयोग की रीति वर्णित करते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भेजेगा।

संस्था

'सेन्टर फार एंप्रेयिन रिसर्च ट्रेनिंग एंड एजूकेशन, गाजियाबाद।' यह अधिसूचना 1-12-77 से 3 वर्ष तक प्रभावी रहेगी।

[सं. 2054/फा० सं. 203/103/77-आई ईए II]

S.O. 680.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—

- (i) That the centre for Agrarian Research Training and Education, Ghaziabad, shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
- (ii) That such funds shall be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences; and
- (iii) That the Centre shall send an Annual Report to the Indian Council of Social Sciences Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Centre for Agrarian Research Training & Education, Ghaziabad.

This notification takes effect for three years from 1-12-77.

[No. 2054/F. No. 203/103/77-ITA II]

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1977

का० आ० 681.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1961 की आरा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्राकृतिक या अनुप्रायोगिक विज्ञान के क्षेत्र में निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (i) यह कि मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, कृषि/पशुपालन/मास्त्रयकी और औषधि से भिन्न प्राकृतिक या अनुप्रायोगिक विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।
- (ii) उक्त संस्थान प्रत्यक्ष वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकार्यों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 भ्रैंड तक ऐसे प्रक्रमों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए निश्चित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास।

यह अधिसूचना 23 मित्रम्बर, 1977 से प्रभावी है।

[सं. 2065/फा० सं. 203/128/77-आई ईए II]

New Delhi, the 7th December, 1977

S.O. 681.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, in

the area of other natural or applied science, subject to the following conditions :—

- (i) That the Madras Institute and Technology, Madras, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences other than agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines.
- (ii) That the said Institute will furnish the annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

Madras Institute of Technology, Madras.

This notification takes effect from 23rd September, 1977.

[No. 2065/F. No. 203/128/77-ITA.II]

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1977

का० आ० 682.—सर्वानुसंधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रथम् सचिव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर प्रत्युमोदित किया है, प्रथम् :—

- (i) यह कि संस्थान अपने अनुसंधान संबंधी क्रियाकलाप की एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- (ii) संस्थान प्राप्त अनुदानों और केवल अनुसंधान के लिए किए गए अपने खर्च की वार्षिक विवरणी ऐसी रीति में और ऐसे समय पर प्रस्तुत करेगा जैसी और जब परिषद् अपेक्षा करे।

संस्था

संघर्षी अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, पुणे।

यह प्रधिसूचना 1 दिसम्बर, 1977 से 30 नवम्बर, 1979 तक को दो वर्ष की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 2068/फा० सं० 203/171/77-प्राईटी ए II]

New Delhi, the 12th December, 1977

S.O. 682.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

- (i) The institute will submit annual report on its research activities.
- (ii) The institute will submit annual returns about donations received and spent exclusively for research in the manner as and when required by the Council.

INSTITUTION

SANCHETI HOSPITAL & MEDICAL RESEARCH CENTRE, PUNE.

This notification is effective for a period of two years from 1st December, 1977 to 30th November, 1979.

[No. 2068/F. No. 203/171/77-ITA. II]

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1977

का० आ० 683.—सर्वानुसंधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रथम् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान

परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर प्रत्युमोदित किया है, प्रथम् :—

- (i) यह कि संस्था चिकित्सा अनुसंधान के लिए प्राप्त वैज्ञानिक प्रत्युमोदित राशियों का हिसाब पृष्ठ से रखेगी।
- (ii) यह कि संस्था प्रयोग वित्तीय वर्ष के लिए प्राप्त वैज्ञानिक प्रत्युमोदित राशियों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 15 मई तक ऐसे प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए निश्चित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

रामकृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान, विवेकानन्द चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता।

यह प्रधिसूचना 17-11-1977 से 16-11-1979 तक की दो वर्ष की प्रवधि के लिए प्रभावी रहेगी।

[सं० 2073/फा० सं० 203/172/77-प्राईटी ए II]

New Delhi, the 15th December, 1977

S.O. 683.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions :—

- (i) That the institution will maintain separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.
- (ii) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose by 15th May each year at the latest.

INSTITUTION

RAMAKRISHNA MISSION SEVA PRATISHTHAN, VIVEKANANDA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, CALCUTTA.

The notification is effective for a period of two years from 17-11-1977 to 16-11-1979.

[No. 2073/F. No. 203/172/77-ITA. II]

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1978

का० आ० 684.—केन्द्रीय सरकार, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रवत्त राशियों का प्रयोग करते हुए, “परमेक्कावु वेवास्वम्, तिनूर्”, को निश्चिरण वर्ष 1972-1973 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2117/फा० सं०/197/121/77-प्रा० क० (प० 1)]

New Delhi, the 12th January, 1978

S.O. 684.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Paramekkavu Devaswom, Trichur” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1972-73.

[No. 2117/F. No. 197/121/77-JT(AD)]

का० आ० 685.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “पण्डमी बंगाल बाल कल्याण परिषद्” को निर्धारण वर्ष 1973-74 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2118/का० सं० 197/139/77-आ० क० (ए० 1)]

S. O. 685.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “West Bengal Council for Child Welfare” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1973-74.

[No. 2118/F. No. 197/139/77-IT(AI)]

का० आ० 686.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, कलकत्ता” को निर्धारण वर्ष 1971-72 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2119/का० सं० 197/127/77-आ० क० (ए० 1)]

S. O. 686.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Marwari Relief Society, Calcutta” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1971-72.

[No. 2119/F. No. 197/127/77-IT(AI)]

का० आ० 687.—केन्द्रीय केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए “पीपुल्स एक्शन कार डेवलपमेंट (इण्डिया) महाराष्ट्र स्टेट कमेटी” की निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2120/का० सं० 197/170/77-आ० क० (ए० 1)]

S. O. 687.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “People's Action for Development (India) Maharashtra State Committee” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 2120/F. No. 197/170/77-IT(AI)]

का० आ० 688.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री अरबिन्दो मस्मिति, कलकत्ता” की निर्धारण वर्ष 1975-1976 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2122/का० सं० 197/137/77-आ० क० (ए० 1)]

जै. पी० शर्मा, निवेशक

S. O. 688.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Aurobindo Samiti, Calcutta” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 2122/F. No. 197/137/77-IT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1977

आय-कर

का० आ० 689.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री भारमारम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी देवस्थानम, श्री शैलम, जिला कुर्नूल की निर्धारण वर्ष 1973-74 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2087/का० सं० 197/209/77-आ० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 26th December, 1977

INCOME-TAX

S. O. 689.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Bharamaramba Mallikarjuna Swamy Devasthanam, Sri-vailam, Kurnool District” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1973-74.

[No. 2087/F. No. 197/209/77-IT(AI)]

का० आ० 690.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी देवस्थानम, अहोबिलाम, को निर्धारण वर्ष 1962-63 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2088/का० सं० 197/205/77-आ० क० (ए० 1)]

S. O. 690.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Lakshmi Narasimha Swamy Devasthanam, Ahobilam” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1962-63.

[No. 2088/F. No. 197/205/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1977

का० आ० 691.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “लीरेटो हाउस एजेंसी गोमाइटी औफ कलकत्ता” की निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2093/का० सं० 197/120/77-आ० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 31st December, 1977

S. O. 691.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Loreto House Educational Society of Calcutta" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2095/F. No. 197/120/77-IT(AI)]
नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1978

का० आ० 692.—केन्द्रीय सरकार, शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (IV) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "भारत में हमाई बन्धनों की भक्त मण्डली" को नियमित वर्ष 1978-79 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2127/फा० सं० 197/136/77-आ० क० (प.I)]

New Delhi, the 18th January, 1978

S. O. 692.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Congregation of Christian Brothers in India" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1978-79.

[No. 2127/F. No. 197/136/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1978

का० आ० 693.—केन्द्रीय सरकार, शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'श्री महालक्ष्मी ट्रस्ट, मद्रास को' नियमित वर्ष 1973-74 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2131/फा० सं० 197/107/77-आ० क० (प.I)]

New Delhi, the 20th January, 1978

S. O. 693.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Sri Mahalakshmi Trust, Madras' for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1973-74.

[No. 2131/F. No. 197/107/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1978

का० आ० 694.—केन्द्रीय सरकार, शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "भारत सेवा मंत्रालय लघुनड़" को नियमित वर्ष 1965-66 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2195/फा० सं० 197/129/77-आ० क० (प.I)]

New Delhi, the 6th February, 1978

S. O. 694.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharat Seva Sansthan, Lucknow" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1965-66.

[No. 2145/F. No. 197/129/77-IT(AI)]

का० आ० 695.—केन्द्रीय सरकार, शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "मानीलाल मेमोरियल सोसाइटी, लखनऊ" को नियमित वर्ष 1962-63 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2146/फा० सं० 197/130/77-आ० क० (प.I)]

S. O. 695.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Motilal Memorial Society, Lucknow" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1962-63.

[No. 2146/F. No. 197/130/77-IT(AI)]

का० आ० 696.—केन्द्रीय सरकार, शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "गुजरात द्रष्टव्यल इवलपर्मेट कारपोरेशन" को नियमित वर्ष 1977-78 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2117/फा० सं० 197/172/77-आ० क० (प.I)]

S. O. 696.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gujarat Tribal Development Corporation" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 2147/F. No. 197/172/77-IT(AI)]

का० आ० 697.—केन्द्रीय सरकार, शाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "रक्षा सेवाओं के अधिकारियों की कल्याण निप्रिय" को नियमित वर्ष 1962-63 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2119/फा० सं० 197/86/77-आ० क० (प.I)]

S. O. 697.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Defence Services Officers' Welfare Fund" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1962-63.

[No. 2149/F. No. 197/86/77-IT(AI)]

का० आ० 698.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग। करते हुए, “यूनाइटेड मेथोडिस्ट कमेटी ऑन रिलीफ” को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2153/का० सं० 197/126/77-आ० क० (एI)]

S. O. 698.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “United Methodist Committee on Relief” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2153/F. No. 197/126/77-IT(AI)]

का० आ० 699.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “इंडियन कौसिल फौर चाइल्ड वेलफेर (तमिलनाडु)” को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2164/का० सं० 197/106/77-आ० क० (एI)]

S. O. 699.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indian Council for Child Welfare (Tamilnadu)” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 2164/F. No. 197/106/77-IT(AI)]

का० आ० 700.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ‘सर रतन टाटा ट्रस्ट’ को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2166/का० सं० 197/183/77-आ० क० (एI)]

S. O. 700.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sir Ratan Tata Trust” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 2166/F. No. 197/183/77-IT(AI)]

नई विल्सनी, 14 फरवरी, 1978

का० आ० 701.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ‘सर रोटो हाउस एज्यूकेशनल सोसाइटी आफ कलकत्ता’ को निर्धारण वर्ष 1967-68 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2173/का० सं० 197/173/77-आ० क० (एI)]

New Delhi, the 14th February, 1978

S. O. 701.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sir Dorabji Tata Trust” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2173/F. No. 197/173/77-IT(AI)]

नई विल्सनी, 17 फरवरी, 1978

का० आ० 702.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ‘वि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स’ को निर्धारण वर्ष 1972-73, 1973-74, 1974-75 और 1975-76 के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2177/का० सं० 197/185/77-आ० क० (एI)]

New Delhi, the 17th February, 1978

S.O. 702.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Bharat Scouts & Guides” for the purpose of the said section for the assessment years 1972-73, 1973-74, 1974-75 and 1975-76.

[No. 2177/F. No. 197/185/77-IT(AI)]

नई विल्सनी, 23 फरवरी, 1978

का० आ० 703.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ‘लोरेटो हाउस एज्यूकेशनल सोसाइटी आफ कलकत्ता’ को निर्धारण वर्ष 1974-75 और 1975-76 के लिए भी उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2182/का० सं० 197/120/77-आ० क० (एJ)]

New Delhi, the 23rd February, 1978

S. O. 703.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Loreto House Educational Society of Calcutta” for the purpose of the said section for the assessment years 1974-75 and 1975-76 also.

[No. 2182/F. No. 197/120/77-IT(AI)]

का० आ० 704.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ‘गुजरात आयुर्वेद विकास मण्डल, अहमदाबाद’ को निर्धारण वर्ष 1967-68 के लिए, और से, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2183/का० सं० 197/167/77-आ० क० (एI)]

S. O. 704.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Gujarat Ayurved Vikas Mandal, Ahmedabad” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1967-68.

[No. 2183/F. No. 197/167/77-IT(AI)]

का० आ० 705.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'राष्ट्रीय भव्यापक कल्याण प्रतिष्ठापन' को निर्धारण वर्ष 1974-75 और 1975-76 के लिए उक्त धारा के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2184/का० सं० 197/181/76-आ० क(ए I)]

S. O. 705.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'National Foundation For Teachers' Welfare' for the purpose of the said section for the assessment years 1974-75 and 1975-76 also.

[No. 2184/F. No. 197/181/76-IT(AI)]

का० आ० 706.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 को उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आसाम के भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्नियन्त्रण और पुनर्वास के लिए विशेष निधि को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2185/का० सं० 197/140/77-आ० क(ए I)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

S. O. 706.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Special Fund for Reconstruction and Rehabilitation of Ex-servicemen Assam for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2185/F. No. 197/140/77-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

प्रावेश

नई विल्ही, 27 फरवरी, 1978

स्टाम्प

का० आ० 707.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उस शुल्क को माफ करती है जो, यि हाउरिंग एप्ल ब्रेंड इलेपमेंट कारपोरेशन द्वारा पहले ही अक्टूबर, 1975 में जारी किये गये 8 करोड़ रुपये मूल्य के असुरक्षित जटिलपत्रों के परवर्ती अन्तरणों के साथीभूत वस्तावेजों पर, जिनमें उनके उप-प्रभाग, नवीकरण तथा किर से जारी किया जाना शामिल है, उक्त अधिनियम, के अधीन प्रभार्य है।

[सं० 3/78-स्टाम्प-का० सं० 471/48/78-सी०गु०-7/वि०क०]

ORDER

New Delhi, the 27th February, 1978

STAMPS

S. O. 707.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the documents evidencing subsequent transfers including their sub-divisions, renewals and re-issue of the unsecured debentures to the value of eight crores of rupees already issued by the Housing and Urban Develop-

ment Corporation in October, 1975, are chargeable under the said Act.

[No. 3/78-Stamps-F. No. 471/48/76-Cus. VII/ST]

प्रावेश

नई विल्ही, 6 मार्च, 1978

का० आ० 708.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो, नशनल ओप्रोपरेटिव डेलेपमेंट कारपोरेशन द्वारा, वस्तावेजों के रूप में जारी किये जाने वाले दो करोड़ रुपये मूल्य के बंध-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है।

[सं० 4/78-स्टाम्प-का० सं० 33/6/78-वि०क०]

ORDER

New Delhi, the 6th March, 1978

S. O. 708.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of two crores of rupees, to be issued by the National Cooperative Development Corporation, chargeable under the said Act.

[No. 4/78-Stamp-F. No. 33/6/78-ST]

प्रावेश

का० आ० 709.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो कर्नाटक फाइनेंशियल कारपोरेशन, बंगलौर द्वारा, वस्तावेजों के रूप में जारी किये जाने वाले एक करोड़ रुपये मूल्य के बंध-पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य है।

[सं० 5/78-स्टाम्प-का० सं० 33/7/78-वि०क०]

एस० डी० रामास्वामी, अवर सचिव

ORDER

S. O. 709.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of one crore, ninety two lakhs and fifty thousand of rupees, to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, Bangalore, are chargeable under the said Act.

[No. 5/78-Stamps-F. No. 33/7/78-ST]

S. D. RAMASWAMY, Under Secy.

(आधिकारिक कार्य विभाग)

(वैधिक प्रधान)

नई विल्ही, 21 फरवरी, 1978

का० आ० 710.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय रकार एतद्वारा श्री डी० सी० बर्मा को श्री के० एन० शुक्ल के स्थान पर कोसी केन्द्रीय ग्रामीण बैंक, पूर्णिया

के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है और 1 मार्च 1978 से प्रारम्भ होकर 30 जून, 1979 को ममात्प होने वाली अधिकारी को उस अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है जिसमें श्री डॉ सी. शर्मा प्रध्यक्ष के रूप में कार्य करेगे।

[गंद्या एक० 3-38/77 आर०प्रा० बी०]

श्री० आर० बिश्वाम, उप मंत्रिम्

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 21st February, 1978

S. O. 710.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri D. C. Verma as the Chairman of the Kosi Kshetriya Gramin Bank, Purnea vice Shri K. N. Shukla, and specifies the period commencing on the 1st March, 1978 and ending with 30th June, 1978 as the period for which the said Shri D. C. Verma shall hold office as such Chairman.

[No. F. 3-38/77-RRB]

C. R. BISWAS, Dy. Secy.

का० आ० 711.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की गिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10(g) (i) और (ii) तथा 20(1) (अ) (iii) के उपबन्ध भारतीय स्टेट बैंक पर इस अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष तक की अवधि के लिये उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहाँ तक उक्त उपबन्ध इसके अध्यक्ष श्री पी० सी० डॉ० नामिंयार के, हाउसिंग इंडेन्पेंट फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड का निदेशक होने पर रोक लगते हैं।

[संदर्भ 15(3)-बी० ओ० III/78]

मे० भा० उसगांकर, अव० सचिव

S. O. 711.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sections 10(c)(i) and (ii) and 20(1)(b)(iii) of the said Act shall not apply to the State Bank of India for a period of one year from the date of this Notification in so far as the said provisions prohibit its Chairman, Shri P. C. D. Nambiar from being a director on the Board of the Housing Development Finance Corporation Ltd.

[No. 15(3)-B.O. III/78]
M. B. USGAONKAR, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

(कृषि अधिकारी)

(केन्द्रीय कार्यालय)

बैंकरी, 21 फरवरी, 1978

प्र० दिनकर

का० आ० 712.—दिनांक 16-8-77 की अधिसूचना सं. प्रक० 8/3/77-ए०सी० जो भारत के राजपत्र भाग ii, खण्ड 3 (ii) दिनांक 3-9-77 में का०आ० 2730 के अन्तर्गत पृष्ठ 3003 पर हिन्दी में प्रकाशित हुई है, को ऊपर से पांचवीं पंक्ति में बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 के उपबन्धों के प्रभावी जनता महकारी बैंक लिमिटेड, बम्बई पर लागू न

होने की तिथि "27 मार्च, 1976 से" के स्थान पर "27 मार्च, 1978 से" पती जाय।

[सं. एक० 8/3/77-ए०सी०]

आर०क० दत्ता, सहायक मुख्य अधिकारी

(सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्तराधि शुल्क के समाहर्ता का कार्यालय)

पुणे, 21 फरवरी, 1978

(सीमा शुल्क)

का० आ० 713.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 152 के खण्ड (क) के अधीन जारी की गई वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० 79-सीमा शुल्क, का० सं० 473/2/75-सीमा शुल्क 11 दिनांक 18 जूनाई, 1975 के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एन्ड्रेड्रा महाराष्ट्र राज्य के कोलहापुर जिले के "शिरोल" नामक स्थान को "मालगोदाम" केन्द्र घोषित करता हूँ।

[अधिसूचना सं० 7/सीमा शुल्क/78/का०सं० 1/1.1(सीमा शुल्क) 40-6/

टी०ट०/77/853]

जे० प्रम० वर्मा, समाइ०

(Office of the Collector of Customs and Central Excise)

Pune, the 21st February, 1978

(CUSTOMS)

S. O. 713.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with Ministry of Finance notification No. 79—Customs F. No. 473/2/75-Cus. VII dated the 18th July, 1975, issued under clause (a) of section 152 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), I hereby declare "shirol" in district Kolhapur in the Maharashtra state, as a "Warehousing Station."

[Notification No. 7/Cus./78/F. No. VIII (Cus.) 40-6TE/77/853]

J. M. VERMA, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

नई विल्सो, 14 फरवरी, 1978

का० आ० 714.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के तियम 10 के उपनियम (4) के अनुमरण में निम्नलिखित कार्यशिलों को, जिसके कर्मचारीवृन्द ने इन्हीं कार्यालय का जान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:-

- (1) मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता का कार्यालय, नई दिल्ली।
- (2) भारतीय बनिज तथा धारु व्यापार नियम लि०, नई दिल्ली।
- (3) सेन्ट्रल कार्टेज हंडस्ट्रीज कारपोरेशन आफ इंडिया लि०, नई दिल्ली।
- (4) आफिम आफ वी कस्टोडियन फार एनमी प्राप्टी आफ इंडिया, बम्बई।
- (5) शिकाम आयक्त का कार्यालय, सांताचुज इलेक्ट्रोनिकी नियम संसाधन थेव, बम्बई।
- (6) आयात-नियर्ता के नियंत्रक का कार्यालय, अमृतसर।
- (7) एक्सपोर्ट ब्रोमोनेन काउन्सिल फार फिनिश लेवर एण्डर लेवर मैन्यूफैक्चर्स, कानपुर।

- (8) रबड़ बोर्ड, कोटूयम।
 (9) इलायची बोर्ड, कोचीन।
 (10) दी स्पाइसेज एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउन्सिल एण्ड कूलम, कोचीन।
 (11) भाषात-नियंत्रित का कार्यालय पंजिम (गोआ)।
 (12) भाषात-नियंत्रित का कार्यालय राजकोट।

[का० सं० 11011/12/76-हिन्दी]

मञ्जन राज शाह, निवेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 14th February, 1978

S. O. 714.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—

1. Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.
2. The Minerals & Metals Trading Corporation of India Ltd., New Delhi.
3. Central Cottage Industries Corporation of India Ltd., New Delhi.
4. Office of the Custodian for Enemy Property of India, Bombay.
5. Office of the Development Commissioner, Santacruz Electronics Export Processing Zone, Bombay.
6. Office of the Controller of Imports & Exports Amritsar.
7. Export Promotion Council for Finished Leather and Leather Manufactures, Kanpur.
8. Rubber Board, Kottayam.
9. Cardamom Board, Cochin.
10. The Spices Export Promotion Council, Ernakulam, Cochin.
11. Office of the Controller of Imports & Exports, Panjim (Goa).
12. Office of the Controller of Imports & Exports, Rajkot.

[F. No. E-11011/12/76-Hindi]

S. R. SHAH, Director

नई विल्सी, 22 फरवरी, 1978

(इलायची नियंत्रण)

का० आ० 715:—इलायची नियम, 1966 के नियम 5 के उप-नियम (2) तथा नियम 3 के उप-नियम (1) के साथ पठित इलायची प्रधिकारिता, 1963 (1965 का 42) की धारा 4 की उप-धारा (3) के बद्दल (प) के उप-बंधु (III) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक० के० नल्ला के स्थान पर श्री डी० के० गौगुली, अबर सचिव, वित्त प्रभाग बाणिज्य मंत्रालय, को एतदद्वारा नियुक्त करती है तथा बाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार की प्रधिसूचना सं० का० 448(६) दिनांक 26 अगस्त, 1975 में निम्नोक्त संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त प्रधिसूचना के अन्तर्गत सारणी में क्रमांक (5) के सामने दूसरे तथा तीसरे स्तम्भ में प्रविष्टियों के स्थान क्रमशः निम्नोक्त प्रविष्टि प्रतिस्थापित जायेगी, अर्थात्:—

‘श्री डी० के० गौगुली,
अबर सचिव,

वित्त से संबंधित कार्यकारी
मंत्रालय के प्रतिनिधि।’

वित्त प्रभाग
बाणिज्य मंत्रालय,
नई विल्सी।

[फाइल सं० 32/20/75-प्लैट (भी०)]
एस० महादेव घर्घर, उप-निवेशक

New Delhi, the 22nd February, 1978

(CARDAMOM CONTROL)

S. O. 715.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (d) of sub-section (3) of section 4 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), read with sub-rule (1) of rule 3 and sub-rule (2) of rule 5 of the Cardamom Rules, 1966, the Central Government hereby appoints Shri D. K. Ganguli, Under Secretary, Finance Division, Ministry of Commerce vice Shri H. K. Narula, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 448(E), dated the 26th August, 1975 namely:—

In the Table under the said notification, for the entries in the second and third columns against Serial No. (5), the following entries shall respectively, be substituted, namely:—

‘Shri D. K. Ganguli, Under Secretary, Finance Division, Ministry of Commerce, New Delhi.	Representative of the Ministry dealing with Finance.’
--	--

[File No. 32/20/75-Plant(B)]

S. MAHADEVA IYER, Dy. Director

प्रादेश

नई विल्सी, 11 मार्च, 1978

का०आ० 716.—भारत के नियंत्रित व्यापार के लिए आटो-मोबील के पुर्जों, संचाटकों और उप-साधनों के निरीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण से संबंधित भारत सरकार के बाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का०आ० 458 दिनांक 17 फरवरी, 1973 में संशोधन करने के लिए कलिपय प्रस्ताव नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, भाग-2 खंड-3, उप-खंड (ii), तारीख 9 अप्रैल, 1977 में प्रकाशित किए गए थे और उन सभी व्यक्तियों से, आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिन के भीतर, आक्षेप और सुमाव भागे गए थे जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 13 अप्रैल, 1977 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और अब जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुमावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है ;

अतः अब, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित निरीक्षण परिषद् से विचार-विमर्श करने के पश्चात, भारत सरकार के बाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ०, 458, दिनांक फरवरी, 1973 में, निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

(1) उपाबन्ध—I में, मद 10 तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा : अर्थात्:—

“10. हैलाइट असेम्बली (आटो-मोबील लैप अर्थात् बस्ट महिस या रहस)।”

(2) उपाधन 3 में, शीर्षक “10 हैलाइट प्रसेम्बली” के स्थान पर शीर्षक “10 हैलाइट प्रसेम्बली के लिए विनिर्देश (आटोमोबील लैप अपार्ट् बल्ब सहित या रहित)” प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[सं. 6(35)/76-नि०नि० तथा नि० उ०]

ORDER

New Delhi, the 11th March, 1978

S.O. 716.—Whereas for the development of the export trade of India certain proposals for amending the Order of the Government of India, in the Ministry of Commerce, No. S.O. 458, dated the 17th February, 1973 relating to quality control and inspection of Automobile Spares, Components and Accessories were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 9th April, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within 45 days from the date of publication of the Order in the Official Gazette;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 13th April, 1977;

And whereas objections and suggestions received from the public have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby makes the following amendment in the order of the Government of India, in the Ministry of Commerce No. S.O. 458, dated, the 17th February, 1973 namely :—

(i) in Annexure (i), for item 10 and the entry relating thereto the following shall be substituted, namely :—

“10. Headlight Assembly (with or without automobile lamp, that is to say bulb)”,

(ii) in Annexure (iii), for the heading ‘10. Specifications for Headlight Assembly’, the heading

“10. Specification for Headlight Assembly (with or without Automobile lamp, that is to say, Bulb)”,

shall be substituted.

[No. 6(35)/76-EI&EP]

का०न्हा० 717.—केन्द्रीय सरकार नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रकृत संशोधनों का प्रयोग करते हुए, आटोमोबील के पुर्जों संघटकों और उपसाधनों के नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1973 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकृत:—

1. (1) इन नियमों का नाम आटोमोबील के पुर्जों, संघटकों और उपसाधनों का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आटोमोबील के पुर्जों, संघटकों और उपसाधनों के नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1973 में परिणाम-I में मद 10 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधिकृत:—

“10 हैलाइट प्रसेम्बली (आटोमोबील के लैप अपार्ट् बल्ब रहित या सहित)”।

[सं. 6(35)/76-नि०नि० तथा नि०उ०]

S.O. 717.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Automobile Spares, Components and Accessories (Quality Control and Inspection) Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Automobile Spares, Components and Accessories (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the export of Automobile Spares, Components and Accessories (Quality Control and Inspection) Rules, 1973, in Annexure I for item 10 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“10. Headlight Assembly (with or without automobile lamp, that is to say bulb)”.
[No. 6(35)/76-EI&EP]

आदेश

का०न्हा० 718.—भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए, चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों को नियंत्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण के प्रधीन लाने के लिए कठिपय प्रस्ताव नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम ii के उपनियम (2) द्वारा यथा प्रतिस्थित भारत सरकार के बाणिज्य मंत्रालय के आदेश संज्ञा का०न्हा० 699, तारीख 5 मार्च, 1977 के प्रधीन भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उपर्युक्त (ii), तारीख 5 मार्च, 1977 में प्रकाशित किए गए थे ;

और 20 अप्रैल, 1977 तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप तथा सुमाक्षण मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र जनता को 5 मार्च, 1977 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

प्रोत्तर उक्त प्रस्तावों की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों तथा सुमाक्षणों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किर दिया गया है ;

अतः भ्रष्ट केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियंत्रित निरीक्षण परिणाम से परामर्श करने के पश्चात, अपनी यह राय होने पर कि भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है :—

(1) अधिसूचित करती है चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों का नियंत्रित से पूर्व निरीक्षण किया जाएगा ;

(2) चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों का नियंत्रित (निरीक्षण) नियम, 1978 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनियिष्ट करती है जो ऐसे चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों पर नियंत्रित से पूर्व लागू किया जाएगा ;

(3) चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों के लिए, नियंत्रित संविदा के तय पाए गए विनिर्देशों के रूप में मान्यता देती है जहाँ ऐसे विनिर्देश आयात करने वाले देश की सरकार द्वारा विविहित विनिर्देशों से निम्नतर नहीं हैं ; तथा नियंत्रित संविदा में आयात करने वाले देश की संस्कार द्वारा किसी विनिर्देशों के विषय में किसी अनुबन्ध के न होने की दशा में, इस आदेश के उपाधन-I में दिए गए विनिर्देशों को मान्यता देती है ;

(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे चांदी के पत्तर चढ़े बर्तनों के नियंत्रित का तब तक प्रतिषेध करती है जब तक कि उनके साथ नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित

अधिकरणों में से किसी के द्वारा दिया गया इस आवश्यक का प्रमाणपत्र न हो कि चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों का परेषण निरीक्षण संबंधी गतीयों को पूरा करता है तथा निर्यात योग्य है।

2. इस आदेश की कोई भी आवी फ्रेशामों को, भूमि समझ या वायु मार्ग द्वारा, चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों के प्रत्येक प्रकार के संदर्भ में हीन से प्रनधिक नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों से चांदी के पत्तर चड़े किसी भी धातु या मिश्रधातु के बने बर्तन अधिकृत होंगे।

उपांचन्द्र—I

चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों के लिए विवरण

1. डिजाइन, आकार तथा विभाएं नियांसिकर्ता द्वारा घोषित निर्यात संविदा में तथा हुए के अनुसार होंगे। नियांसिकर्ता द्वारा घोषित वीषणा पत्र तथा नमूने निरीक्षण के लिए स्वीकृत किए जाएंगे।

2. कार्यकोशल तथा फिनिश उच्च स्तर की होगी। पालिस खुब चमकदार होगी अथवा फ्रेता की इच्छानुसार अन्य किसी किनिश में होगी। बर्तन सतह दोषों तथा अपूर्णताओं, धुमाव या औजार, चिन्हों, काले धब्बों, चित्तियों (लाल या अन्य रंग की), दागों, खगरियों, दररों, छिप्पों, सीकों आदि से मुक्त होंगे। सभी किनारे भली प्रकार गोल किए हुए होंगे।

3. चांदी का पत्तर 3.1 में दी गई आसंजन परख को सहन करेगा।

3.1 पत्तर चड़ी हुई सतह के किसी भी चुने हुए 6 सेंटीमीटर से अधिकरण के क्षेत्र को धातु के चिकने उपकरण से 1.5 सेकंड तक जल्दी-जल्दी तथा दृढ़ता से रगड़ा जाएगा। तब रगड़े हुए भाग का चाक्षुय निरीक्षण किया जाएगा और यदि उसमें निक्षेप की परत का आधार धातु से विलग होने का कोई लक्षण नहीं है तो आसंजन पर्याप्त समझा जाएगा। रगड़ने वाला उपयुक्त उपकरण संबंधी की चक्री (यथा सांबे का सिक्का) है जो सिरे की ओर से और चौड़ी ओर से प्रयुक्त की जाएगी। प्रत्येक चिस्से में दबाव मुलांमे की परत को रगड़ने के लिए पर्याप्त होगा, किन्तु इतना अधिक नहीं होगा कि वह निक्षेप को काट दे। रगड़ते रहने पर यदि ढीला फकोला बन जाए और रगड़ते रहने से बढ़ता जाए तो उससे आसंजन का घटिया होना प्रकट हो जाएगा। यदि निक्षेप की क्वालिटी भी घटिया है, तो फकोले में धराएँ पड़ सकती हैं और पत्तर आधार धातु से छिल जाएंगी।

4. चांदी के पत्तर की मोटाई 3 माइक्रोमीटर से कम नहीं होगी।

5. ऐसीटिक अमल के घोल में निकासित सीसा।

आयात करने वाले देश की सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट किन्तु संयुक्त राज्य अमेरिका को सिर्यात की दशा में, निम्नलिखित के अनुसार मूल लागू होगा :

(क) बैंडी कप तथा चिप्पियों के लिए प्रयुक्त की जाने वाली बस्तुओं के लिए 0.5 पी.0पी.0 एम अधिकतम।

(ख) अन्य बस्तुओं के लिए 7 पी.0पी.0एम.0 अधिकतम।

6. चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों पर चिह्न—परेषण में चांदी के पत्तर चड़े सभी बर्तनों पर वे श्रंकन होंगे जो—

(क) आयातकर्ता द्वारा अधिकृत है;

(ख) आयात करने वाले देश की सरकार द्वारा अपेक्षित है;

(ग) विशेष अवस्थाओं में बर्तनों के प्रयोग विश्व चेतावनी देते हैं, यदि लागू हो तथा अपेक्षित हो;

(घ) उद्गम का देश तथा चांदी का भार, यदि यथेष्ठी फ्रेता द्वारा अपेक्षित हो;

(ङ) अन्य कोई चिह्न, जैसे ई०पी०एन०एस०, विनिर्माता का व्यापार चिह्न यदि आयातकर्ता द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया हो।

7. पैकिंग तथा पैकेजिंग : चांदी के पत्तर चड़े बर्तन अलग-अलग इस रीत से पैक किए जाएंगे कि वे गतव्य स्थान तक बिना किसी हानि के सुरक्षित रूप से पहुंच सकें।

8. अनुरूपता के लिए नमूना सारणियां तथा मानवण :

सारणी—I

क्र०	विशेषताएं	लाठ का	लाठ में परख	नमूने में
सं०	आकार	किए जाने	दोषयुक्तों की	वाले नमूनों में अनुरूपता
			की न्यूनतम	संख्या
			सं०	

1.	डिजाइन, आकार, विमाएं, एक परेषण सारणी—II सारणी—II कार्यकोशल, फिनिश तथा में एक आकार के अनुसार के अनुसार आसंजन	तथा प्रकार	
2.	चांदी के पत्तर की मोटाई—यथोक्त—	3	—कुछ नहीं—
3.	ऐसीटिक अमल घोल में निक्षा—यथोक्त—	3	—कुछ नहीं—

सारणी—II

एक लॉट में चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों की संख्या	नमूने का	नमूने में	
	आकार	दोषयुक्तों की अनुरूपता	
100 तक	.	5	1
101 से 300 तक	.	8	1
301 से 500 तक	.	13	1
501 और उस से ऊपर	.	20	2

[सं० 6(6)/76-ई०आई०-ई०पी०]

ORDER

S.O. 718.—Whereas for the development of the Export Trade of India, certain proposals for subjecting Silver Plated Wares to quality control and inspection prior to export, were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 5th March, 1977 under the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 699 dated the 5th March, 1977;

And whereas objections and suggestions were invited till the 20th April, 1977, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 5th March, 1977;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby:

(1) notifies that Silver Plated Wares shall be subject to inspection prior to export;

- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Export of Silver Plated Wares (Inspection) Rules, 1978 as type of inspection which shall be applied to such Silver Plated Wares prior to export;
- (3) recognises the specifications declared by the exporter to be the agreed specifications of the export contract for the Silver Plated Wares, where such specifications are not lower to those prescribed by the Government of the importing country; and in the absence of any stipulation about any specifications in the export contract by the Government of the importing country, recognises the specifications as given in Annexure I to this order;
- (4) prohibits the export, in the course of international trade, of such Silver Plated Wares unless the same are accompanied by a certificate issued by any of the agencies established under Section 7 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the consignment of Silver Plates Wares satisfied the conditions relating to inspection and is exportworthy.

2. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of Silver Plated Wares not exceeding three in number of each type to prospective buyers.

3. In this order Silver Plated Wares shall mean articles made of any metal or alloy having Silver Plating on them.

ANNEXURE I

SPECIFICATIONS FOR SILVER PLATED WARES

1. Design, shape and dimensions to be similar with the agreement of the export contract as declared by the exporter. Declaration and samples declared by the exporter will be accepted for inspection.

2. Workmanship and finish shall be of high standard. The polish shall be adequately bright or in any other finish as desired by the buyer. The wares shall be free from surface defects and imperfections, spinning or tool marks, black spots, patches (red or other colour), stains, burrs, cracks, holes, seams etc. All the edges shall be well rounded.

3. The Silver plating shall stand the adhesion test as given in 3.1.

3.1. An area of not more than 6 cm² of the plated surface at any spot selected, shall be rubbed rapidly and firmly for 15 seconds with a smooth metal implement. The burnish area shall then be visually inspected and if there is no indication of the deposit becoming detached from the base metal, the adhesion shall be deemed adequate. A suitable burnishing implement is a copper disc (such as a copper coin) used edgewise and broad side. The pressure shall be sufficient to burnish the film at every stroke but not so great as to cut the deposit. Poor adhesion will be shown on the appearance of a loose blister which grows as rubbing is continued. If the quality of the deposit is also poor, the blister may crack and the plating will peel away from the base metal.

4. Thickness of silver plating shall be not less than 3 microns.

5. Leached lead in acetic acid solution:

As specified by the Government of the importing country. However, in case of export to U.S.A., the value as given hereunder shall be applicable.

(a) For baby cup and articles intended for use by infants 0.5 p.p.m. max.

(b) For other articles 7 p.p.m. max.

6. Marking on Silver Plated Wares.—All items of silver plated wares in the consignment shall have the markings:—

(a) As required by the importer;

(b) As required by the Government of the importing country;

- (c) Conveying warning against use of the article in particular situations, if applicable and required;
- (d) Country of origin and weight of silver if required by the foreign buyer;
- (e) Any other markings such as EPNS manufacturers' trade marks if specified by the importer.

7. Packing and packaging: Silver plated wares shall individually be packed in such a manner as to reach the destination safely without any damage.

8. Sampling Tables and Criteria for Conformity:

TABLE I

S. No.	Characteristics	Lot size	Minimum no. of samples to be tested in a lot	Permissible no. of defective in the sample
1.	Design, shape, dimension, workmanship, Finish and Adhesion	One type and size II	As per table	As per table
2.	Thickness of Silver plating	—do—	3	nil
3.	Leached lead in a acetic acid solution	—do—	3	nil

TABLE II

No. of silver plated wares in a lot	Sample size	Permissible no. of defectives in the sample
Upto 100	5	1
101 to 300	8	1
301 to 500	13	1
501 and above	20	2

[No 6(6)/76-EIIP]

का० अ० 719.—संघीय सरकार, नियति (खालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, नियति:

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों का नियति (निरीक्षण) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से धन्यवाच प्रयोगित न हो,—

(क) 'प्रधिनियम' से नियति (खालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) प्रभिष्ठेत है;

(ख) 'प्रभिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा विल्ली में स्थापित प्रभिकरणों में से कोई प्रभिष्ठेत है;

(ग) 'चांदी के पत्तर चड़े बर्तन' से चांदी के पत्तर चड़े किसी भी आतुर या मिश्रधातु की बनी वस्तुएँ प्रभिष्ठेत हैं।

3. निरीक्षण का माध्यम:—(1) नियति किए जाने के लिए चांदी के पत्तर चड़े बर्तनों का परेषण जब तैयार हो जाए तो उसका निरीक्षण

वह देखने के विचार से किया जाएगा कि वह अधिनियम की धारा 6 के अधीन केवल सरकार द्वारा मात्र विनियोगों के अनुरूप है।

(2) निरीक्षण इन नियमों से उपांचंद्र नमूना सारणी-I तथा II के अनुसार, चांदी के पसर चड़े बर्तनों के परेषण में से इच्छामुकार लिए गए नमूनों के प्राप्तार पर किया जाएगा।

(3) यदि उक्त नमूने में घोषयुक्तों की संख्या पूर्वोक्त सारणियों में दी गई अनुमेय संख्या से अधिक नहीं है तो वह समाप्त जाएगा कि परेषण इन नियमों के अधीन विनियोगों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया:—(1)(i) चांदी के पसर चड़े बर्तनों का निर्यात करने का इच्छुक कोई निर्यातकर्ता अपने ऐसा करने के आवश्यकीय सूचना लिखित रूप में देगा और सूचना के साथ निर्यात संबंधी में चिठ्ठी गए विनियोगों की, उन सब तकनीकी विशेषताओं पर विनियोगों का अधिकार बर्णन करते हुए घोषणापत्र देगा जो यदि निर्यातकर्ता को भाग्य है और आयात करने वाले देश की सरकार द्वारा अपेक्षित हैं, अथवा यदि निर्यात संबंधी में कुछ भी नहीं दिया गया है तो किसी भी विनियोगों के आवश्यकीय विशेषताओं को अधिकार द्वारा दिया जाएगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके तथा वह उसी समय निरीक्षण के लिए ऐसी सूचना की एक प्रति अधिकरण के कार्यालय के निकटतम परिवहन कार्यालय को भेजेगा।

(ii) परिषद् के पाते निम्नलिखित हैं—

मुख्य कार्यालय

भारतीय नियात निरीक्षण परिषद्,
'बल्ड ट्रैड सेन्टर' 14/1-बी, एचरा स्ट्रीट,
(गांधीनगर मंजिल)
कलकत्ता-700001

अधीनीकारी कार्यालय

1. भारतीय नियात निरीक्षण परिषद्,
प्रमन चैम्बर्स (पांचवीं मंजिल)
113, महर्षि कवेरी रोड,
मुम्बई-4
2. भारतीय नियात निरीक्षण परिषद्,
मनोहर बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड,
एन्ऱोलम्ब, कोल्काता-11
3. भारतीय नियात निरीक्षण परिषद्,
म्यूनिसिपल मार्केट बिल्डिंग (पांचवीं मंजिल)
3, सरस्वती मार्ग, करोल बाग,
नई दिल्ली-110005

(2) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना और घोषणा पोत-लदान की अनुसूचित सारीख से कम से कम तीन दिन पहले अधिकरण तथा परिषद् के कार्यालयों में पहुंच जानी चाहिए।

(3) उप-नियम (2) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, अधिकरण ऐसे चांदी के पसर चड़े बर्तनों का नियम 3 तथा इस संबंध में परिषद् द्वारा जारी किए गए नियमों के अनुसार, यदि कोई हो, निरीक्षण करेगा।

(4)(i) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात्, अधिकरण तुरन्त ही परेषण में ऐकेजों को इस तर्फ से यह मुक्तिप्राप्त करने के लिए सील करेगा कि सील किए गए माल के साथ छेंड़ाड न की जा सके। (ii) अस्थीकृति की दशा में, यदि नियातकर्ता चाहे तो अधिकरण परेषण को सील नहीं भी कर सकेगा, किन्तु ऐसी विशेषताओं में, नियातकर्ता अस्थीकृति के बिश्वास कोई अपील नहीं कर सकेगा।

(5) यदि अधिकरण का अपमा यह समाधान हो जाता है कि चांदी के पसर चड़े बर्तनों का परेषण नियम 3 की विशेषताओं के अनुरूप है तो वह निरीक्षण तथा परीक्षण की समाप्ति के आगे कार्य दिन तक नियातकर्ता को यह घोषणा करने वाला प्रमाणपत्र देगा कि परेषण नियात-योग्य है।

परन्तु जहाँ अधिकरण का ऐसा समाधान नहीं हुआ है, वहाँ वह तीन कार्य दिन की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाणपत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की संसूचना कारणों सहित नियातकर्ता को देगा।

(6)(i) जैसे हो ग्रोर यदि अधिकरण द्वारा अपेक्षित हो, नियातकर्ता नियम किए जाने वाले परेषण में से चांदी का पतर चड़े बर्तनों के नमूने मुफ्त देगा। (ii) किन्तु नमूने अधिकरण द्वारा आवश्यक निरीक्षण तथा परीक्षण के पश्चात् लौटा दिए जाएंगे।

5. निरीक्षण का स्थान:—इन नियमों के प्रयोगन के लिए चांदी के पतर चड़े बर्तनों का निरीक्षण—

(क) विनिर्माता के परिसर में, या

(च) उस परिसर में किया जाएगा जहाँ नियातकर्ता द्वारा परेषण प्रस्तुत किए जाते हैं परन्तु यह तब यदि कि वहाँ पर इस प्रयोगन के लिए पर्याप्त सुविधाएँ हों।

6. निरीक्षण फीस:—प्रत्येक परेषण के लिए न्यूनतम बीस रुपए के अधीन रहते हुए, पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक सौ रुपए के लिए प्रत्यास पैसे की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में नियातकर्ता अधिकरण को देगा।

7. अपील:—

(1) नियम (4) के उप-नियम (5) के अधीन प्रमाण-पत्र देने से अधिकरण की इकाई से व्यवधि कोई अस्ति उसका ऐसे इकाई की संसूचना प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर तीन से अन्यून और सात से अन्यधिक विशेषताओं के ऐसे विशेषज्ञ पैनल को अपील कर सकेगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोगन के लिए नियुक्त किया जाए।

(2) पैनल की कुल सदस्य-संख्या के कम से कम दो-तिहाई गेर सरकारी सदस्य होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन होगी।

(4) अपील का उसके प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर निपटारा कर दिया जाएगा।

नमूना सारणियाँ

(नियम 3 देखिए)

सारणी-I

क्र. विशेषताएँ

लौट का माकार लौट में परेषण नमूने में से अधिकरण की इकाई से व्यवधि कोई अस्ति उसका ऐसे इकाई की संसूचना प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर तीन से अन्यून और सात से अन्यधिक विशेषताओं के ऐसे विशेषज्ञ पैनल को अपील कर सकेगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोगन के लिए नियुक्त किया जाए।

1. डिजाइन, माकार, विमान, एक परेषण सारणी-II के सारणी-II के कार्यकौशल, विनियोग तथा में एक माकार अनुसार अनुसार आसांजन तथा प्रकार

2. चांदी के पतर की मोटाई —प्रथोक्त— 3 कुछ नहीं 3 एसेटिक अम्ल घोल में निकासा— —प्रथोक्त— 3 कुछ नहीं 3 एसेटिक अम्ल घोल में निकासा— —प्रथोक्त— 3 कुछ नहीं

सित तीसीसा

सारणी-II

लौट में चांदी के पतर चड़े बर्तनों की संख्या नमूने का माकार नमूने में दोष युक्त वीहूत संख्या

100 रुपए	.	.	.	5	1
101 से 300 रुपए	.	.	.	8	1
301 से 500 रुपए	.	.	.	13	1
501 और अधिक	.	.	.	20	2

[सं. 6(6)/76 ई० मार्च १९७८ ई० पी०]

सी० दी० १० फ०करी, संयुक्त निवेशक

S.O. 719.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Export of Silver Plated Wares (Inspection) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of this publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise required,—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(b) "Agency" means any one of the agencies established at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi under section 7 of the Act;

(c) "Silver Plated Wares" mean articles made of any metal or alloy having silver plating on them.

3. Basis of Inspection.—(i) Inspection of Silver Plated Wares for export shall be carried out when the consignment is ready with a view to seeing that the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, (ii) The inspection shall be on the basis of random samples drawn from the consignment of Silver Plated Wares as per the Sampling Tables I and II annexed to these rules, (iii) The consignment shall be deemed to be conforming to the specifications under these rules if the number of defectives in the said sample are not more than the permissible number stated in the aforesaid Tables.

4. Procedure of Inspection.—(1) (i) Any exporter intending to export Silver Plated Wares shall intimate in writing of his intention to do so and submit along with such intimation a declaration of the specifications stipulated in the export contract giving details of all the technical characteristics and specifications required by the Government of the importing country if known to the exporter, or a declaration about the absence of any specifications in case nothing is stipulated in the export contract, to any agency to enable it to carry out inspection in accordance with rule 3 and he shall at the same time endorse a copy of such intimation for inspection to the office of the Council nearest to the office of the agency, (ii) The addresses of the Council are as under:—

HEAD OFFICE :

Export Inspection Council of India,
'World Trade Centre',
14/1B, Ezra Street (7th floor),
Calcutta-700001.

REGIONAL OFFICES :

(1) Export Inspection Council of India,
Aman Chambers (4th floor),
113, Maharshi Karve Road,
Bombay-4.

(2) Export Inspection Council of India,
Manohar Buildings,
Mahatma Gandhi Road,
Ernakulam,
Cochin-11.

(3) Export Inspection Council of India,
Municipal Market Building (4th floor),
3 Saraswati Marg,
Karol Bagh,
New Delhi-110005.

(2) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the offices of the agency and the Council not less than three days before the scheduled date of shipment.

(3) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (2), the agency shall carry out the inspection of

such Silver Plated Wares in accordance with rule 3 and the instructions, if any, issued by the Council in this regard.

(4) (i) After completion of inspection, the agency shall immediately seal the packages in the consignment in a manner so as to ensure that the sealed goods cannot be tampered with; (ii) In case of rejection, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed by the agency, so, however, in such cases, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.

(5) When the agency is satisfied that the consignment of Silver Plated Wares complies with the requirements of rule 3, it shall by the next working day of completion of inspection and testing, issue a certificate to the exporter declaring that the consignment is exportworthy:

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within a period of 3 working days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

(6) (i) As and when required by the agency, the exporter shall supply free of charge samples of Silver Plated Wares from the export consignment; (ii) The samples shall, however, be returned by the agency after necessary inspection and testing.

5. Place of Inspection.—Inspection of Silver Plated Wares for the purpose of these rules shall be carried out:

(a) at the premises of the manufacturer, or

(b) at the premises at which the consignments are offered by the exporter, provided adequate facilities for the purpose exist therein.

6. Inspection Fee.—A fee at the rate of fifty paise for every hundred rupees of F.O.B. value subject to a minimum of rupees twenty five for each consignment shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4 may within ten days of receipt of communication of such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven such experts as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the Panel shall consist of non-officials.

(3) The quorum of the Panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within 15 days of its receipt.

SAMPLING TABLES

(See rule 3)

TABLE I

Sl. No.	Characteristics	Lot size	Minimum no. of samples to be tested in a lot	Permissible no. of defectives in the sample
1.	Design, shape, dimension, workmanship, Finish and Adhesion.	One type	As per table	As per table
2.	Thickness of Silver plating	—do—	3	Nil
3.	Leached lead in a acetic acid solution	—do—	3	Nil

TABLE II

No. of silver plated wares in a lot	Sample size	Permissible no. of defectives in the sample	
Upto 100	5	1	
101 to 300	8	1	
301 to 500	13	1	
501 and above	20	2	

[No. 6(6)/76/EI&EP]

C.B. KUKRETI, Jt. Director.

मुद्रण नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

प्राप्तिशील

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1978

का० आ० 720.—सेल इंटरनेशनल लि० नई विल्ली को सामान्य भूदा अंतर से जहाज निर्माण क्षालिटी प्लेटों का आयात करने के लिए 41,20,000.00 रुपए मूल्य का परिपूरक ला० सं० जी०/टी०/3042900, दिनांक 27-11-75 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त परिपूरक लाइसेंस अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उपर्युक्त परिपूरक लाइसेंस की मूल प्रति उन से खो गई है। लाइसेंस-धारी द्वारा प्राप्त यह भी सूचित किया गया है कि परिपूरक ला० किसी भी भारतीय पत्तन के पास पंजीकृत नहीं कराया गया है।

प्रपने तक के समर्थन में आवेदक ने एक शापथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि परिपूरक ला० सं० जी०/टी०/3042900,

दिनांक 27-11-75 द्वा० गया है और लिवेश देता है कि उपर्युक्त परिपूरक ला० की अनुलिपि प्रति उनको जारी की जानी आहिए। उपर्युक्त परिपूरक ला० एतद्वारा रद्द किया जाता है।

परिपूरक ला० सं० जी०/टी०/3042900 दिनांक 27-11-1975 की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं० सेल/2/75-76/आर०एम०-8/1077]
जी० एस० प्रेवाल, उप मुद्र्य नियंत्रक

Office of the Chief Controller of Imports & Exports

ORDER

New Delhi, the 23rd February, 1978

S.O. 720.—The Sail International Limited, New Delhi were granted Sub. Licence No. G/T/3042900 dated 27-11-75 for the Import of ship building quality Plates from G.C.A. to the value of Rs. 41,20,000. They have requested for the issue of duplicate copy of the above Sub. licence on the ground that the Original of the above Sub. licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the Sub. licence has not been registered with any port of India.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that Sub. licence No. G/T/3042900 dt. 27-11-75 has been lost and directs that duplicate copy of the said Sub. licence should be issued to them. The said Sub. licence is hereby cancelled.

Duplicate copy of Sub. licence No. G/T/3042900 dt. 27-11-75 is being issued separately.

[No. SAIL/2/75-76/RM-VIII/1077]
G. S. GREWAL, Dy. Chief Controller

मार्गीक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 1978-02-21

का०आ० 721.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपविधियम (1) के प्रत्युत्तर भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ मानक चिह्न निर्धारित किए हैं जिनकी डिजाइन, शास्त्रिक विवरण तथा भारतीय मानकों के शीर्षक सहित अनुसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके प्रवीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न उनके प्राप्त दी गई तिथियों से लागू होंगे।

अनुसूची

क्रम	मानक चिह्न की सं० डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्समंधी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारतीय मानक की संख्या मानक का डिजाइन का शास्त्रिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	ISI 3748	गर्म कार्यों के लिए प्रयुक्त ग्रीनारों और डाई के इस्पात	IS : 3748-1966 गर्म कार्यों के लिए प्रयुक्त ग्रीनारों और डाई के इस्पात की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्टम्प (2) में दिखाई गैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है, उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संदर्भ दी गई है।	1978-01-01
2.	ISI 4148	सर्जरी में प्रयुक्त रबड़ के वस्ताने	IS : 4148-1967 सर्जरी में प्रयुक्त रबड़ के वस्तानों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्टम्प (2) में दिखाई गैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संदर्भ दी गई है।	1978-01-01

1	2	3	4	5	6
3.	IS:7092 PART I	सिंचाई कार्यों के लिए वेल्डहूत मिश्र एलुमीनियम की नली	IS: 7092 (भाग I)-1976 सिंचाई कार्यों के लिए वेल्डहूत मिश्र एलुमीनियम की नली की विशिष्टि भाग I वेल्डहूत नलियां (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और प्रत्यापत में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या तथा नीचे की ओर शब्द 'भाग I' प्रक्षिप्त है।	1978-01-01
4.	IS:7283 PART I	चमकदार छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म वेल्लित छड़ों	IS : 7283-1974 चमकदार छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म वेल्लित छड़ों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और प्रत्यापत में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी है।	1978-02-01

[सं. सी.एम.डी./13 : 9]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 1978-02-21

S.O. 721.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS:3748 PART I	Tool and die steels for hot work	IS : 3748-1966 Specification for tool and die steels for hot work	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1978-01-01
2.	IS:4148 PART I	Surgical rubber gloves	IS : 4148—1967 Specification for surgical rubber gloves	—do—	1978-01-01
3.	IS:7092 PART I	Welded aluminium alloy tube for irrigation purposes	IS: 7092(Pt 1)—1976 Specification for aluminium alloy tube for irrigation purposes Part I Welded tubes (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the words 'Part I' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	1978-01-01

4.		Hot rolled bars for production of bright bars	IS : 7283-1974 Specification for hot rolled bars for production of bright bars	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being subscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1978-02-01
----	---	---	--	--	------------

[No. CMD/13: 9]

का०आ० 722.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न वस्तुओं की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए ध्योरे के अनुसार निर्धारित की गई हैं और ये फीसें प्रत्येक वस्तु के प्राप्त श्री गई निधियों से लागू होंगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी मानक की संख्या और मोर्चक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	गर्म कायाँ के लिए प्रयुक्त श्रीजारों और डाई के इस्पात	IS : 3748-1966 गर्म कायाँ के लिए एक मीटरी टन प्रयुक्त श्रीजारों और डाई के इस्पात की विशिष्टि	इकाई	50 पैसे	1978-01-01
2.	सर्जरी में प्रयुक्त रबड़ के दस्ताने	IS : 4148-1967 सर्जरी में प्रयुक्त 100 जोड़े रबड़ के दस्तानों की विशिष्टि	इकाई	80 पैसे	1978-01-01
3.	सिचाई कायाँ के लिए बेल्डकूत मिश्र एत्युमिनियम की नली	IS : 7092 (भाग I)---1976 सिचाई 100 मीटर कायाँ के लिए बेल्डकूत मिश्र एलु- मिनियम की नली की विशिष्टि भाग I बेल्डकूत नलियाँ (पहला पुनरीक्षण)	(1) पहली 1000 इकाईयों के लिए 3.00 प्रति इकाई, (2) 1001वीं से 2000वीं इकाईयों तक के लिए 2.00 रुपए प्रति इकाई (3) 2001वीं और ऊपर इकाईयों के लिए 1.00 रुपया प्रति इकाई।	(1) पहली 1000 इकाईयों के लिए 3.00 प्रति इकाई, (2) 1001वीं से 2000वीं इकाईयों तक के लिए 2.00 रुपए प्रति इकाई (3) 2001वीं और ऊपर इकाईयों के लिए 1.00 रुपया प्रति इकाई।	1978-01-01
4.	चमकदार छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म बेल्लित छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म बेल्लित छड़ों की विशिष्टि	IS : 7283-1974 चमकदार छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म बेल्लित छड़ों की विशिष्टि	इकाई	30 पैसा	1978-02-01

[सं. सी. एम. डी/13: 10]

S. O. 722.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDEULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Tool and die steels for hot work	IS : 3748—1966 Specification for tool and die steels for hot work	One Tonne	50 Paise	1978-01-01
2.	Surgical rubber gloves	IS : 4148—1967 Specification for surgical rubber gloves	100 pairs	80 Paise	1978-01-01

1	2	3	4	5	6
3.	Welded aluminium alloy tube for irrigation purposes	IS : 7092 (Pt I)—1976 Specification for aluminium alloy tube for irrigation purposes Part I Welded tubes (first revision)	100 Metres	(i) Rs 3.00 per unit for the first 1000 units (ii) Rs. 2.00 per unit for the 1001st units to 2000 units (iii) Re. 1.00 per unit for the 2001st unit and above.	1978-01-01
4.	Hot rolled bars for production of bright bars	IS : 7283—1974 Specification for hot rolled bars for production of bright bars	One Tonne	30 Paise	1978-02-01

[No. CMD/13 : 10]

क्रांति 723.—प्रारंभ के राजनीति भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1977-12-17 में प्रकाशित नागरिक पृष्ठि तथा सहकारिता मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एम औ 3913 दिनांक 1977-11-24 का आंशिक रूप में संशोधन करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विजली के घरेलू खाद्य मिश्रकों की प्रति इकाई मुहर लगाने को फीम में कुछ परिवर्तन किया गया है।

यह परिवर्तन मुहर लगाने की फीस, जिसके ब्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1977-08-16 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तरसंबंधी मानक की पदसंबंधी श्रीवंक	इकाई	मुहर लगाने की प्रति इकाई फीस
1	2	3	4	5
1.	विजली के घरेलू खाद्य मिश्रक (मिस्सियां) (तरलक, मिश्रक, चम्कियां)	IS : 4250—1967 विजली के घरेलू खाद्य मिश्रकों (मिस्सियां) फी विशिष्ट (तरलक, मिश्रक और चम्कियां)	एक मिश्रक तथा घटकी	(1) पहली 1000 इकाइयों के लिए रु. 2.00 प्रति इकाई, (2) 1001वीं से 6000 तक इकाइयों के लिए रु. 1.00 प्रति इकाई, (3) 6001 वीं से 11000वीं इकाई तक 50 पैसे प्रति इकाई, और (4) 11001वीं इकाई और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए 25 पैसे प्रति इकाई।

[सं. सो. एम डी/13 : 10]

S.O. 723.—In partial modification of the Ministry of Civil Supplies and Co-operation (Indian Standards Institution) notification number S.O. 3913 dated 1977-11-24, published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (ii) dated 1977-12-17, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee per unit for domestic electric food mixers, has been revised.

The revised rate of marking fee, details of which are given in the following Schedule, shall come into force with effect from 1977-08-16.

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5
1.	Domestic electric food-mixers (liquidizers, blenders and grinders)	IS : 4250—1967 Specification for domestic electric food mixers (liquidizers, blenders and grinders)	One Mixer-cum-grinder	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 1000 units; (ii) Re. 1.00 per unit for the 1001st to 6000 units; (iii) 50 Paise per unit for the 6001st to 11000 units and (iv) 25 Paise per unit for the 11001st unit and above.

[No. CMD/13 : 10]

क्रा०भा० 724.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-5951 जिसके ब्योरे नीचे अनुसूची में लिए गए हैं, 16 नवम्बर, 1977 से रद्द कर दिया गया है। फर्म प्रब्र लाइसेंस जारी रखने की इच्छुक नहीं है।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1. सी एम/एल-5951 1977-03-21	नेसर्स विजय स्टील रोलिंग मिल (प्रा) लि० ३७, पीन्या इंड- स्ट्रिपल परिया, बंगलोर-५६००२२ (कर्नाटक)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) (साधारण किस्म) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1977-1975 संरचना इस्पात	[सी एम ऑ/55 : 5951] वाह० एस० वेंकटेश्वरन, अपर भाग्निवेशक

S.O. 724—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L—5951 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 16 Nov, 1977 as firm is not interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the Relevant Indian Standards Licenses Cancelled	
1	2	3	4	5
1.	CM/L—5951 1977-02-21	M/s. Vijay Steel Rolling Mill (Pvt.) Ltd., 37, Peenya Industrial Area, Bangalore-560022 (Karnataka)	Structural Steel (Ordinary Quality) IS : 1977—1975 Specification for Structural Steel (Ordinary Quality) (Second Revision)	[No. CMD/55 : 5951] Y. S. VENKATESWARAN, Additional Director General,

स्वाक्षर और परिवार कस्थान मंगालम

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1977

क्रा०भा० 725.—केन्द्रीय सरकार, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् प्रधि-
नियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 32 की उपधारा (1)
द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद्
(निर्वाचन) नियम, 1975 का संशोधन करने के सिए निम्नलिखित
नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् (निर्वाचन)
संशोधन नियम, 1977 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. नियम 9 में,
 - (1) उपनियम (1) में, वर्तमान उपमन्धों का सोष कर दिया
जाएगा।
 - (2) उपनियम (1) के बाद निम्नलिखित उपनियम रखे
जाएंगे, अर्थात्:—

“(1) कोई भी निर्वाचक, एक ही निर्वाचन में प्रस्तावक
प्रथा अनुमोदक के स्पष्ट में एक से अधिक नामनिर्देशन
पत्रों पर हस्ताक्षर नहीं करेगा और यदि वह ऐसा करता
है तो पहले लिए गए पत्र को ठोक्कर अन्य सभी पत्रों
पर उसके हस्ताक्षर अप्रवर्तनशील रहेंगे।

(1) इस नियम की कोई वात किसी अध्यर्थी को एक ही
निर्वाचन के लिए एक से अधिक नामनिर्देशन पत्रों द्वारा
नामनिर्दिष्ट करने से निवारित नहीं होगी:

परन्तु किसी अध्यर्थी द्वारा या उसकी ओर से
चार से अधिक नामनिर्देशन पत्र नहीं प्रस्तुत किए
जाएंगे और न रिटाइग आफिसर उन्हें स्वीकार करेगा।”

3. नियम 11 में,

- (1) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम
रखा जाएगा, अर्थात्:—
- (2) रिटाइग अधिकारी नामनिर्देशन पत्रों की जांच करेगा
और नामनिर्देशन के संबंध में उठाई गई सभी प्राप्तियों
का विनिश्चय करेगा, तथा इन प्राप्तियों के आधार पर
या स्वतः, ऐसी संकेत जांच के पश्चात्, यदि कोई
हो, जिसे वह आवश्यक समझे, किसी नामनिर्देशन को
निम्नलिखित कारणों में से किसी के भी आधार पर
नामंजूर कर सकता है:—
- (क) यदि नामनिर्देशनों की जांच के लिए नियत की गई
तारीख को, अध्यर्थी के पास चुनाव सम्मेलन के सिए
कोई मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता न हो;
- (ख) यदि उसका नाम राज्य होम्योपैथी रजिस्टर में
दर्ज न हो और वह उस राज्य में न रहता हो
जहां से वह चुनाव लड़ रहा है;

- (ग) यदि वह पहले से ही केन्द्रीय परिषद् का किसी अन्य हैसियत से सदस्य हो;
- (घ) यदि उसका नामनिर्देशन पत्र रिटिनिंग अधिकारी के पास नियत समय और तारीख से पहल नहीं पहुंचा है;
- (ङ) यदि नामनिर्देशन पत्र पर अभ्यर्थी या उसके नाम के प्रस्तावक अथवा उसके अनुमोदक के हस्ताक्षर असली न हों; और
- (ज) यदि प्रस्ताव अथवा अनुमोदक ऐसे निर्वाचन में अभ्यर्थी की मत देने का हकदार न हो”;
- (2) उपनियम (3) का लोप कर दिया जाएगा।

4. नियम 12 में,

- (1) उपनियम (2) में, “रह करने की” शब्दों के बाद आने वाले, “या उसी निर्वाचन में अभ्यर्थी के रूप में पुनः नाम निर्दिष्ट होने की” शब्दों का लोप कर दिया जाएगा;
- (2) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, प्रवार्ता:—
- “(3) रिटिनिंग अफिसर, उपनियम (1) के अधीन अभ्यर्थिता वापस लेने की सूचना प्राप्त होने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि अभ्यर्थिता वापस लेने की सूचना असली है, उस सूचना को अपने कार्यालय में किसी सठ्ठन वृश्य स्थान पर लगवा देगा।

5. नियम 13 के उपनियम (4) में,

- (1) “प्रशापन पत्र” शब्दों के पश्चात् “रजिस्ट्री” शब्द अन्तः स्थापित किया जाएगा;
- (2) “संबंधित हो, भेजेगा” शब्दों के बाद “और मतदाता को भेजे गए ऐसे प्रत्येक प्रशापन पत्र के बारे में एक डाक प्रमाणपत्र प्रभिप्राप्त किया जाएगा” शब्दों का लोप कर दिया जाएगा।

6. नियम 14 में “और नाहूय लिफाफे को मतदाता के खर्च पर” शब्दों के बाद “रजिस्ट्रीकृत” शब्द का लोप कर दिया जाएगा;

7. नियम 19 में उप नियम (2) के थान पर निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रवार्ता:—

“(2) यदि मतपत्रों की गणना पूरी हो जाने के पश्चात् यह पता चले कि किन्हीं अभ्यर्थियों को बराबर बराबर मत मिले हैं और उनमें एक अतिरिक्त मत जोड़ देते से इन अभ्यर्थियों में से किसी को यह एक प्राप्त हो जाएगा कि उसे निर्वाचित घोषित किया जा सके तो, रिटिनिंग अफिसर इसी समय उन अभ्यर्थियों के बीच पर्वी निकाल कर तत्काल विनिश्चय कर देगा और इस प्रकार कार्यवाही करेगा मानों जिस अभ्यर्थी की पर्वी निकाली है उसे एक अतिरिक्त मत प्राप्त हो गया है।”

[सं० वी० 27021/1/77-होम्य०]

आनन्द प्रकाश अत्री, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 3rd November 1977

S.O. 725.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 32 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Homoeopathy Central Council (Election) Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Homoeopathy Central Council (Election) Amendment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 9,—

- (i) in sub-rule (1), existing provisos shall be omitted ;
(ii) after sub-rule (1), the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(1A)-No elector shall subscribe, whether as proposer or as seconder, more than one nomination paper at the same election and, if he does, his signature shall be inoperative on any paper other than the one first delivered.

(1B)—Nothing in this rule shall prevent any candidate from being nominated by more than one nomination paper for the same election :

Provided that not more than four nomination papers shall be presented by or on behalf of any candidate or accepted by the Returning Officer”.

3. In rule 11,—

- (i) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) The Returning Officer shall examine the nomination papers and shall decide all objections which may be made to any nomination and may, either on such objection or on his own motion, after such summary enquiry, if, any, as he thinks necessary, reject any nomination on any of the following grounds :—

- (a) that on the date appointed for the scrutiny of nominations, the candidate does not possess a recognised medical qualification for standing election as such a candidate ;
(b) that he is not enrolled on the State Register of Homoeopathy and does not reside in the State from which he stands for election ;
(c) that he is already a member of the Central Council in any other capacity ;
(d) that the nomination paper is not received by the Returning Officer before the appointed time and date ;
(e) that the signature of the candidate or the proposer or the seconder on the nomination paper is not genuine ; and
(f) that the proposer or the seconder is not entitled to vote at such an election.”;

(ii) sub-rule (3) shall be omitted.

4. In rule 12,

- (i) in sub-rule (2), the words “or to be renominated as a candidate for the same election” occurring after the word “withdrawal”, shall be omitted;

- (ii) for sub-rule (3), the following shall be substituted, namely :—

“(3) the Returning Officer shall, on receiving a notice of withdrawal and on being satisfied as to the genuineness of the notice of withdrawal under sub-rule (1), cause the notice to be affixed in some conspicuous place in his office”.

5. In rule 13, in sub-rule (4),—

- (i) the word “registered” shall be inserted after the words “send by” occurring in second line :

- (ii) the words “and a certificate of posting shall be obtained in respect of each such letter of intimation sent to an elector” occurring after the words “on outer envelop also addressed to him” shall be omitted.

6. In rule 14,—

- (i) the word “registered” occurring after the words “send the outer cover by” shall be omitted :

- (ii) the words "or received by the unregistered post" occurring after the words "received after that day and hour" shall be omitted.
7. In rule 19, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) if, after the counting of the votes is completed, an equality of votes is found to exist between any candidates, and the addition of one vote will entitle any of those candidates to be declared elected the Returning Officer shall forthwith decide between those candidates by lot and proceed as if the candidate on whom the lot falls had received an additional vote."

[No. V. 27021/1/77-Homoeo]
ANAND PRAKASH ATRI, Dy. Secy.

जो मुम्हई भगर के भीतर उक्त कम्पनी के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सरकारी स्थानों की बाबत उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों की प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग तथा उस पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

[फा० सं० आर-43024/2/78-एम सी]

प्रबीर सेनगुप्त, उप सचिव ।

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND
FERTILIZERS**
(Department of Petroleum)

New Delhi, the 28th February, 1978

S.O. 726.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants), Act 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Manager, Personnel Relations, Caltex Oil Refining (India) Limited, Bombay, being an officer equivalent to the rank of gazetted officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, in respect of public premises under the administrative control of the said company within the City of Bombay.

[F. No. R-43024/2/78-MC]

PRABIR SENGUPTA, Dy. Secy.

पेट्रोलियम राज्यालय और उर्बनक मंत्रालय
(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1978

का० आ० 726.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अधिकारियों की बेडब्ल्यूटी) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रबंधक, कार्मिक सम्बन्ध, कालटेक्स प्रायल रिफाइनिंग (इंडिया) लिमिटेड, मुम्हई, को जो सरकार के राज्यपत्र अधिकारी की पक्ष के समतुल्य अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है,

कृषि और सिंचार्ज मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1978

का० आ० 727.—यत्. केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, केन्द्रीय खाद्य निवेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा खेता कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यालयों के क्षमता, भण्डारण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है ताकि खाद्य नियम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य नियम के कर्मचारी म बतने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12 ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा प्रपोक्त सूचना नहीं दी है।

यत्. अब खाद्य नियम अधिनियम 1964 (1964 का 37), यथा भवतन संशोधित, की धारा 12 ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों की प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य नियम में स्थानान्तरित करती है :

क्रम	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन किस पद पर स्थायी है?	स्थानान्तरण के समय	भारतीय खाद्य नियम की स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री बी० पी० सेठ	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	2-4-69
2.	श्री धार० धी० तरीका	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	12-5-70
3.	श्री राम नारायण मेहरा	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	20-6-70
4.	श्री हरि कृष्ण लाल	निम्न श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	3-4-70
5.	श्री जगत राम जोपरा	निम्न श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	7-2-2-70
6.	श्री बलवीर सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	7-12-70
7.	श्री जगम नाथ शर्मा	-	निम्न श्रेणी लिपिक	9-4-69
8.	श्री यश पाल	चपड़ासी	चपड़ासी	7-12-70
9.	श्री ओम प्रकाश	-	चपड़ासी	7-12-70

1	2	3	4	5
10.	श्री आर० डी० महाजन	चपड़ासी	निम्न श्रेणी लिपिक	11-6-69
11.	श्री आताराम	--	चपड़ासी	7-12-70
12.	श्री एस० एन० गंजू	लेखापाल	अधीक्षक	25-4-69
13.	श्री एल० आर० मेहता	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	19-7-69
14.	श्री महेश चन्द	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	25-4-69
15.	श्री शम्भू नाथ	वरिष्ठ गोदाम कलके	वरिष्ठ गोदाम कलके	27-5-69
16.	श्री जगत किशोर शुक्ला	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	2-4-69
17.	श्री भगवान सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	20-6-70
18.	श्री एच० सी० शर्मा	निम्न श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	27-1-70
19.	श्री बी० के० दत्ता	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	9-4-69

[सं० 52/4/71-एफ०सी० III(खण्ड 8)]

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 23rd February, 1978

S.O. 727.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional, Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to Sub-section (I) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporation of India Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the F.C.I.
1	2	3	4	5
1.	Shri V.P. Seth	U.D.C.	U.D.C.	25-4-69
2.	Sh. R.D. Trikha	U.D.C.	U.D.C.	12-5-70
3.	Sh. Ram Narain Mehra	U.D.C.	U.D.C.	20-6-70
4.	Sh. Harkrishan Lal	L.D.C.	U.D.C.	3-4-70
5.	Sh. Jagatram Chopra	L.D.C.	U.D.C.	7-12-70
6.	Sh. Balbir Singh	U.D.C.	U.D.C.	7-12-70
7.	Sh. Jagannath Sharma	--	L.D.C.	9-4-69
8.	Sh. Yash Paul	Peon	Peon	7-12-70
9.	Sh. Om Parkash	--	Peon	7-12-70
10.	Sh. R.D. Mahajan	--	L.D.C.	11-6-69
11.	Sh. Asaram	Peon	Peon	7-12-70
12.	Sh. S.N. Ganju	Accountant	Superintendent	25-4-69
13.	Sh. L.R. Mehta	U.D.C.	U.D.C.	19-7-69
14.	Sh. Mahesh Chand	U.D.C.	U.D.C.	25-4-69
15.	Sh. Sambhu Nath	S.G.C.	S.G.C.	27-5-69
16.	Sh. Jugal Kishore Shukla	U.D.C.	U.D.C.	2-4-69
17.	Sh. Bhagwan Singh	U.D.C.	U.D.C.	20-6-70
18.	Sh. H.C. Sharma	L.D.C.	U.D.C.	27-1-70
19.	Sh. B.K. Dutta	U.D.C.	U.D.C.	9-4-69

[No. 52/4/71-FC-III (Vol. VII)]

प्रावेश

का०ओ०७२८.—यतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निवेशालयों, उपस्थिति निवेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा नेत्रा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यालयों के कम, भण्डारण, संचालन, परिवहन वितरण तथा विक्रय के काल्यों का पालन करना बंद कर दिया है जोकि खाद्य नियम प्रधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के प्रधीन भारतीय खाद्य नियम के हूस्त है।

ग्रौर यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निवेशालयों, उपस्थिति निवेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा नेत्रा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिवर्णित कल्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रस्तुतर में उसमें विविध तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य नियम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त प्रधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के प्रत्यक्ष द्वारा यथा प्रयोक्ति सूचना नहीं दी है।

यतः प्रब्र खाद्य नियम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा ग्रथतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करसे हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य नियम में स्थानान्तरित करती है:—

क्रम सं०	प्रधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के प्रधीन किस पद पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के प्रधीन किस पद पर है	भारतीय खाद्य नियम की स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्रीमती नरिन्द्र कौर	वरिष्ठ कलक	नेत्रापाल	1-3-69
2.	श्री कमल कुमार दास	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	नेत्रापाल	1-3-69
3.	श्री बी०एल० पोखराना	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गुण निरीक्षक	12-1-78
4.	श्री आर० एन० शर्मा	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गुण निरीक्षक	12-1-78
5.	श्री रामाखण्णा	टैली कलक	टैली कलक	12-1-78
6.	श्री महेन्द्र नाथ चौधरी	सिपटर	सिपटर	1-3-69

[सं० 52/7/74 एफ०सी० III(खर XI)]

बक्षी राम, उप सचिव

ORDER

S.O.728.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees, serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (I) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporation of India Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	(3)	(4)	(5)
1.	Mrs. Narinder Kaur	Senior Clerk	Accountant	1-3-69
2.	Sh. Kamal Kr. Das	S.G.K.	Accountant	1-3-69
3.	Sh. B.L. Pokharana	J.G.K.	Quality Inspector	12-1-78
4.	Sh. R.N. Sharma	J.G.K.	Quality Inspector	12-1-78
5.	Sh. Rama Krishna	Tally Clerk	Tally Clerk	12-1-78
6.	Sh. Mahendra Nath Chauwadhy	Sifter	Sifter	1-3-69

[No. 52/7/74-FC-III (Vol. XI)
BAKSHI RAM, Dy. Secy.]

(सिवाई विभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1978

का० आ० 728.—बेतवा नदी बोर्ड प्रधिनियम, 1976 (1976 का 63वा०) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, मध्य प्रदेश सरकार के सिवाई विभाग के केन्द्रीय बहुद परियोजना प्रभिकल्प संगठन के निदेशक श्री के० बी० शाह को एतद्वारा 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाल्ला से 3 वर्ष तक की अवधि के सिए बेतवा नदी बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 18(69)/76-जी०बी०]

सुरेन्द्र बहादुर खरे, संयुक्त सचिव

(Department of Irrigation)

New Delhi, the 27th February, 1978

S.O. 729.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Betwa River Board Act, 1976 (63 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri K. B. Shah, Director, Central Design Organisation for Major Projects, Irrigation Department, Govt. of Madhya Pradesh as Secretary, Betwa River Board for a period of 3 years from the forenoon of 10th February, 1978.

[No. 18(69)/76-GB]

S. B. KHARE, Jt. Secy.

विमरण और आवास संकालन

(संपदा निवेशालय)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1978

का० आ० 730.—स्थावर सम्पत्ति प्रधिग्रहण तथा भ्रंजन प्रधिनियम, 1952 (1952 का 30) की धारा 2खण्ड (ख) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उपायुक्त, चाण्डीगढ़ प्रशासन, चाण्डीगढ़ को उनके प्रधिकार क्षेत्र के भीतर आने वाले क्षेत्र के संबंध में उक्त प्रधिनियम के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यों को करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[का० सं० 19015(1) 77-नी-4]

आर्द्ध० श्रीमुखरी, संपदा निवेशक

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 22nd February, 1978

S.O. 730.—In pursuance of clause (b) section 2 of the Requisitioning and Acquisition of Immoveable Property Act, 1952 (30 of 1952), the Central Government hereby authorises the Deputy Commissioner, Chandigarh Administration, Chandigarh, to perform the functions of the competent authority under the said Act for the area falling within his jurisdiction.

[File No. 19015(1)/77-Pol. IV]

I. CHAUDHURI, Director of Estates

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1978

का० आ० 731.—राष्ट्रपति मूल नियमों के नियम 45 के उपबन्धों के अनुसरण में, सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रधार्तः—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास-स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, एस० आर० 317-ख-11-(2) में सारणी में, क्रम सं० (10) तक (11) प्रीर उन्हें संबोधित मर्दों के स्थान पर, निम्नलिखित कम संख्याएँ और मर्दों रखी जाएंगी, प्रधार्तः—

"(10) भारत में या भारत (क) यदि प्रधिकारी के प्रधिनियम में ऐसा से बाहर अव्ययनार्थ छुट्टी तर का है, जिसका वह हकदार है तो, अव्ययनार्थ छुट्टी की पूरी अवधि के लिए है।

(ख) यदि प्रधिकारी के प्रधिनियम में ऐसा कोई आवास है जो उस आवास से, निम्न- जिसका वह हकदार है तो, उह मास से अवधिक की अव्ययनार्थ छुट्टी की अवधि के लिए:

परन्तु जहाँ अव्ययनार्थ छुट्टी उह माह से बढ़ जाती है वहाँ, उसे उह मास के प्रधिनियम की तारीख से, यदि वह ऐसा जाहे तो, उस आवास से, जिसका वह हकदार है, एक टाइप नीचे का वैकल्पिक आवास आवंटित किया जा सकता है।

(11) भारत से बाहर प्रतिनियुक्त की अवधि के लिए, परन्तु उह मास से अधिक नहीं।"

[फाइल सं०/12033/15/76-पोल०]

जी० रामचन्द्रन, संपदा उप निवेशक (निं० और प्रशा०)

New Delhi, the 25th February, 1978

S.O. 731.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963 in S.R. 317-B-11-(2), in the Table for serial numbers (x) and (xi) and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be substituted namely:—

"(x) Study leave in or outside India.

(a) In case the officer is in occupation of accommodation below his entitlement, for the entire period of study leave;

(b) In case the officer is in occupation of his entitled type accommodation, for the period of study leave but not exceeding six months: Provided that where the study leave extends beyond six months, he may be allotted alternative accommodation, one type below his entitlement, on the expiry of six months or from the date of commencement of the study leave, if he so desires.

(xi) Deputation outside India

For the period of deputation but not exceeding six months".

[File No. 12033(15)/76-Pol. II]

G. RAMACHANDRAN, Dy. Director of States (Admn. & Policy)

(दिल्ली विकास प्राधिकरण)

नई विल्ली, 28 फरवरी, 1978

का० आ० 732.—दिल्ली इंडिपेंटेंट एक्ट, 1957 की धारा 5 की उपधारा (3) की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत गठित की गई सलाहकार परिषद की कार्यपालिका लागू करने के नियमों के नियम 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधिक, दिल्ली विकास प्राधिकरण अधिक, सलाहकार परिषद विल्ली एवं द्वारा सचिव, विल्ली विकास प्राधिकरण को विल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद का सचिव नियुक्त करते हैं।

[सं० सचिव/वी व सी/26/67-भाग]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 28th February, 1978

S.O. 732.—The Chairman, Delhi Development Authority/President Advisory Council of Delhi Development Authority, in exercise of the powers vested in him under Rule 3 of the Rules of Procedure of the Advisory Council, framed in pursuance of the provisions of Sub-section (3) of Section 5 of the Delhi Development Act, 1957, hereby appoints the Secretary, Delhi Development Authority, as the Secretary of the Advisory Council of the Delhi Development Authority.

[No. Secy./V&C/26/67 Pt.]

नई विल्ली, 11 मार्च, 1978

का. आ. 733.—यहतः विल्ली विकास प्राधिकरण ने दिल्ली मुख्य योजना के अन्तर्गत पहले वाले अनुकूल आवासीय भूखण्डों के क्षेत्रीय नियमों में दिल्ली इंडिपेंटेंट एक्ट की धारा 11ए के अन्तर्गत कुछ संशोधन करने का प्रस्ताव किया है तथा जिसे सार्वजनिक सूचना सं. एफ. 20(4)75-एम. पी. भाग विनांक 1-10-1977 के अनुसार प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त एक्ट की धारा 11ए की उपधारा 3 के अन्तर्गत 30 विल्ली की अधिक में सार्वजनिक सूचना के सम्बन्ध में आपूर्ति/सुभाव मांगे गए थे।

आंदूर यहतः विल्ली विकास प्राधिकरण ने दिल्ली मुख्य योजना के अन्तर्गत पहले वाले अनुकूल आवासीय भूखण्डों के क्षेत्रीय नियमों के संबंध में आपूर्ति/सुभाव पर विचार करने के पश्चात् दिल्ली मुख्य योजना के अन्तर्गत पहले वाले अनुकूल आवासीय भूखण्डों के क्षेत्रीय नियमों में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अब यहतः उक्त अधिकारियम की धारा 11ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए विल्ली विकास प्राधिकरण एवं द्वारा विल्ली मुख्य योजना के अन्तर्गत पहले वाले अनुकूल आवासीय भूखण्डों के क्षेत्रीय नियमों में भारतीय गजट में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की तिथि से निम्नलिखित संशोधन करता है अर्थात् :

संशोधन

विल्ली मुख्य योजना के पृष्ठ 55 के फृट नोट (1) के निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है :

369 GI/77-5

“प्रस्तुक सर्वोत्तम क्वार्टर में इक्का या अधिक भी स्कैप का कमरा/कमरे होंगे जिसमें रसोइघर/खाना पकाने का घरामध्य स्थान, स्नानागृह तथा शोचालय समिलित होंगे किन्तु न्यूनतम भू-तल क्षेत्र 18.58 वर्ग मीटर (200 वर्ग फूट) होगा।”

[सं. एफ. 20(4)75-एम. पी. भाग]

कृष्ण प्रताप, सचिव

New Delhi, the 11th March, 1978

S.O. 733.—Whereas certain modification which the Delhi Development Authority proposes to make to the Zoning Regulations applicable to residential plots in the Master Plan for Delhi under Section 11-A of the Delhi Development Act and published vide Public Notice No. F. 20(4)/75-M. P. Pt. dated 1-10-1977 for inviting objections and suggestions within a period of 30 days from the date of notice as required by Sub-section (3) of Section 11-A of the said Act.

And whereas, the Delhi Development Authority after considering the objections/suggestions with regard to the said Zoning Regulations applicable to residential plots in the Master Plan for Delhi have decided to modify the Zoning Regulations applicable to residential plots in the Master Plan for Delhi.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 11-A of the said Act, the Delhi Development Authority hereby makes the following modification to the Zoning Regulations applicable to residential plots in the Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, namely :—

MODIFICATION :

On page 55 of the Master Plan for Delhi the foot-note (1), is amended to read as follows :—

“Each Servant's quarter shall comprise one or more habitable room/rooms, kitchnette/cooking verandah/space, bath room and lavatory, subject to a minimum of a total floor space, measuring 18.58 sq. metres, (200 sq. ft.).”

[No. F. 20(4)/75-M. P. Pt.]
KRISHNA PRATAP, Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई विल्ली, 24 फरवरी, 1978

का० आ० 734.—का० आ० संचया 627, विनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के छप्पन III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिवेशन के चिन्तामणि टैलीफोन केन्द्र में विनांक 16-3-78 से प्रमाणित वर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संचया 5-6/78-पी०एच०बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 24th February, 1978

S.O. 734.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O.

No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-3-1978 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Chintamani Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5-6/78-PHB]

मई दिल्ली, 1 मार्च 1978

क्रा० 735.—का० प्रा० संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-लार महानिवेशक ने तिपटूर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-78 से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निष्क्रिय किया है।

[संख्या 5-6/78-पी एच बी]

प्रा०ना० कौल, निवेशक फोन्स (ई)

(P & T Board)

New Delhi, the 1st March, 1978

S.O. 735.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-3-78 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Tiptur Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5-6/78-PHB]

P. N. KAUL, Director of Phones(E)

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मई दिल्ली, 17 फरवरी, 1978

का० प्रा० 736:—यतः केन्द्रीय सरकार का विचार है कि मध्य प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, प्रांध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तथा संघ शासित प्रवेश दिल्ली राज्यों में स्थित निष्कात सम्पत्तियों का, जो अनुबन्ध अनुसूची में निविष्ट की गई है, सार्वजनिक प्रयोग के लिए अर्जन करना आवश्यक है। इस प्रयोग का संबंध विस्थापित व्यक्तियों के राहत तथा पुनर्वास से है और इसमें ऐसे व्यक्तियों को मुआवजे का भुगतान करना भी शामिल है।

यतः अब विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार में अर्जन करने का निर्णय कर लिया है और इसके द्वारा अनुबन्ध अनुसूची में निविष्ट मिलकान्त सम्पत्तियों का अर्जन करते हैं।

अनुसूची

मध्य प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, प्रांध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश संघ शासित प्रवेश दिल्ली राज्यों में सभी सम्पत्तियों जो विभाजन में अधिकारक के हिस्से में आवंटित की गई हैं यह निष्कात हित (पार्षद्य) अधिनियम, 1951 की धारा 11 के अधीन सक्तम अधिकारी के न्याय निर्णय के परिणामस्वरूप उक्त अधिनियम की वाराओं के अन्तर्गत 31 अक्टूबर 1977 तक अधिकारक के अधिकार में रही और जिनके बारे में अपील बायर नहीं की गई है और यदि की गई हो, तो उन्हें अपील अधिकारी

द्वारा ऐसे कर दिया गया ही या उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (2) के प्रधीन वाधपत्र की समाप्ति पर 31 अक्टूबर, 1977 तक अधिकारक के अधिकार में रही।

[संख्या 11(39)मु०बं०प्रा०/न्यायिक/75-एस० एस०-1]

वीना नाथ असीजा, संयुक्त निवेशक

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 17th February, 1978

S.O.736.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary to acquire the evacuee properties specified in the Schedule hereto annexed in the States of Madhya Pradesh, Bihar, Orissa, Punjab, Haryana, Gujarat, Maharashtra, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, Kerala, Rajasthan, Uttar Pradesh and the Union territory of Delhi for a public purpose, being a purpose connected with the relief and rehabilitation of displaced persons including payment of compensation of such persons.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 12 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954) it is notified that the Central Government has decided to acquire and hereby acquires the evacuee properties specified in the Schedule hereto annexed.

SCHEDULE

All properties in the States of Madhya Pradesh, Bihar, Orissa, Punjab, Haryana, Gujarat, Maharashtra, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, Kerala, Rajasthan, Uttar Pradesh and in the Union territory of Delhi which have been allotted to the share of Custodian in partition or have been vested in the Custodian under section 11 of the Evacuee Interest (Separation) Act, 1951, as a result of adjudication by the Competent Officer under the provisions of the said Act upto 31st October, 1977, and in respect of which appeals have not been filed and if filed, have been rejected by the Appellate Officer or which have otherwise vested in the Custodian as a result of extinguishment of the mortgage under sub-section (2) of section 9 of the said Act, upto 31st October, 1977.

[No. 11(39)/CSC/Judl/75-SS-1]

D. N. ASIJA, Jt. Director

मई दिल्ली, 24 फरवरी, 1978

का० प्रा० 737:—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) की अधिसूचना संख्या 1(II)/विशेष सैल/77-बन्दोबस्त-II, दिनांक 31 अगस्त, 1977 का अतिक्रमण करते हुए मैं ज० चक्रवर्ती, मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त, इसके द्वारा महाराष्ट्र राज्य अम्बाई के बन्दोबस्त आयुक्त विष्कात सम्पत्ति अधिकारक श्री एस० जी० ठाकरे को उक्त अधिनियम की धारा 23, 24 और 28 के अधीन या इसके द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ इस शर्त पर सौंपता हूँ कि महाराष्ट्र राज्य के उक्त बन्दोबस्त आयुक्त मुआवजा पूल की उन सम्पत्तियों के बारे में, जो महाराष्ट्र राज्य में स्थित नहीं हैं, ऐसी किसी शक्ति का प्रयोग नहीं करेगा।

[संख्या 1(11)/विशेष सैल/77-बन्दोबस्त-II]

ज० चक्रवर्ती, मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त

New Delhi, the 24th February, 1978

S.O. 737.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of

Supply & Rehabilitation (Department of Rehabilitation) No. 1(11)/Spl. Cell/77-SS. II, dated 31st August, 1977 I. J. Chakrabarty, Chief Settlement Commissioner hereby delegate to Shri S. G. Thakre, Settlement Commissioner-cum-Custodian of Evacuee Property, Maharashtra State, Bombay the powers conferred on me by or under Sections 23, 24 and 28 of the said Act, subject to the condition that the said Settlement Commissioner for the State of Maharashtra shall not exercise any such powers in relation to the compensation pool properties not situated in Maharashtra State.

[No. 1(11)/Spl. Cell/77-SS. II]

J. CHAKRABARTY, Chief Settlement Commissioner

In the said notification, under the heading "nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10", for the entry against item 11, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. B. V. Patel,
Director Employees' State Insurance Scheme
(Medical) Service,
Government of Karnataka,
Bangalore."

[No. U-16012(2)/78-H.I]

अमंत्रालय

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1978

का० आ० 738.—कर्नाटक राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अनुसरण में दा० बी० बी० पुत्तराज असं के स्थान पर दा० बी० बी० पटेल, निवेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना (चिकित्सा) सेवा, कर्नाटक सरकार बंगलोर को चिकित्सा प्रमुखिया परिषद् में उस राज्य के प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के अमंत्रालय की अधिसूचना संचया का० आ० 2980 तारीख 26 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "(सम्बिधित राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट" शीर्षक के नीचे मात्र II के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"दा० बी० बी० पटेल,
निवेशक, कर्मचारी राज्य बीमा
योजना (चिकित्सा) सेवा,
कर्नाटक सरकार,
बंगलोर"

[सं० य० 16012(2)/78-एच०प्राई०]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 24th February, 1978

S.O. 738.—Whereas the State Government of Karnataka has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. B. V. Patel, Director, Employees' State Insurance Scheme (Medical), Service Government of Karnataka, Bangalore to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr. B. V. Puttaraj Urs;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2980, dated the 26th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "nominated by the State Governments under clause (d) of section 4", for the entry against item 9, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. B. V. Patel,
Director Employees' State Insurance Scheme
(Medical) Service,
Government of Karnataka,
Bangalore."

[No. U-16012(2)/78-H.I]

का० आ० 739.—असम राज्य सरकार, ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री आर० एन० मुहुरी के स्थान पर श्री एस० गोस्वामी, सचिव असम सरकार, अमंत्रालय, विस्पुर को कर्मचारी राज्य बीमा योजना में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के अमंत्रालय की अधिसूचना संचया का० आ० 1517 तारीख 14 मार्च, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मात्र 9 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री एस० गोस्वामी,
सचिव, असम सरकार,
अमंत्रालय,
विस्पुर"

[सं० य० 16012(16)/76-एच०प्राई०]

S.O. 739.—Whereas the State Government of Assam has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri S. Goswami, Secretary to Government of Assam, Labour Department, Dispur, to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri R. N. Muhuri;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "nominated by the State Governments under clause (d) of section 4", for the entry against item 9, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri S. Goswami,
Secretary to the Government of Assam,
Labour Department,
Dispur."

[No. U-16012(16)/76-H.I]

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1978

का० आ० 740.—प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961 (1961 का 53) की घारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए, केन्द्रीय सरकार, चूना पत्थर तथा डोलोमाइट खान श्रमिक कल्याण संगठन के उन अधिकारियों को जिसके नाम नीचे दी गई तालिका के कालम द्वारा में दिये गये हैं, उक्त तालिका के कालम तीन में उल्लिखित राज्यों की स्थानीय बीमा में, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है:—

तालिका

क्रम सं०	अधिकारी का पद	स्थानीय बीमा
1.	कल्याण प्रशासक (I) जबलपुर	मध्य प्रदेश राज्य
2.	कल्याण प्रशासक (II) जबलपुर	महाराष्ट्र राज्य
3.	कल्याण प्रशासक, भीलवाड़ा,	गुजरात तथा राजस्थान राज्य
4.	कल्याण प्रशासक I, भुवनेश्वर	उड़ीसा राज्य
5.	कल्याण प्रशासक, II भुवनेश्वर	पश्चिमी बंगाल तथा भासाम राज्य
6.	कल्याण प्रशासक, देहरादून	हरियाणा, जम्मू और कश्मीर और उत्तर प्रदेश (केवल देहरादून तथा तेहरी गढ़वाल जिलों में) राज्यों में
7.	कल्याण प्रशासक, बंगलौर	आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक तथा केरल राज्य।

[सं० एस०-36013/1/77-एच०भाई०]

New Delhi, the 25th February, 1978

S.O. 740.—In exercise of the powers conferred by Section 14 of the Maternity Benefit Act, 1961 (53 of 1961), the Central Government hereby appoints the officers of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Organisation specified in column 2 of the Table below as Inspectors for the purpose of the said Act, with the local limits of jurisdiction specified against each of them in column 3 of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Designation of the Officer	Local limits of Jurisdiction
1	2	3
1.	Welfare Administrator (I) Jabalpur.	State of Madhya Pradesh
2.	Welfare Administrator (II), Jabalpur	State of Maharashtra
3.	Welfare Administrator Bhilwara.	State of Gujarat and Rajasthan
4.	Welfare Administrator (I), Bhubaneshwar.	State of Orissa
5.	Welfare Administrator (II) Bhubaneshwar.	States of West Bengal and Assam
6.	Welfare Administrator, Dehradun.	States of Haryana, Jammu and Kashmir and Uttar Pradesh (Dehradun and Tehri Garhwal Districts only).
7.	Welfare Administrator, Bangalore.	States of Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, and Kerala.

[No. S-36013/1/77- HI]

का० आ० 741.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा प्रशिनियम, 1948 (1948 का 34) की घारा 87 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (लखनऊ डिवीजन) लखनऊ को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 28 अगस्त, 1977 से 30 अप्रैल, 1978 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की प्रवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अयतः—

(1) उक्त कारबाने का नियोजक, उस प्रधिकी बाबत जिसके दोरान उस कारबाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनमान था (जिसे इसमें इसके पांचात् 'उक्त प्रधिकी' कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्रलैप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साझारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त प्रधिकी की बाबत देनी थीं;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त प्रवधि की दावत वीर्य किसी विशेषज्ञ की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या
- (ii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अधिकृत रजिस्टर और अधिलेख का, उक्त प्रवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
- (iii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस प्रधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
- (iv) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि उस प्रधिकृत की दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के सिए सशक्त होगा :—

- (क) प्रधान या अध्यवक्ता नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी प्रावश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अध्यवक्ता नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मञ्चवूरी के संदर्भ से संबंधित ऐसे लेखा, बहिर्या और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे प्रावश्यक समझते हैं; या
- (ग) प्रधान या अध्यवक्ता नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाकाशी या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्यालायात्मक लापन

इस मामले में छूट को पूर्वपिक्षी प्रभाव देना प्रावश्यक हो गया है, क्योंकि छूट के लिए प्रार्थना पत्र केवल विसम्बर, 1977 में प्राप्त हुआ था। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि कारखाना छूट के लिए पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिक्षी प्रभाव से छूट की मंजूरी किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं आनेगी।

[संख्या एस०-38014/35/77-एच० ग्राह०]

एस० एस० सहकारामन, उप सचिव

S.O. 741.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, (34 of 1948) the Central Government hereby exempts Hindustan Aeronautics

Limited (Lucknow Division) Lucknow from the operation of the said Act for the period from the 28th August, 1977 upto and inclusive of the 30th April, 1978.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of :—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefited in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory
- be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application for exemption was received only in December, 1977. However, it is certified that the factory is eligible for exemption, it is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/35/77-H. I]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

आषेंश

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1978

का० घा० 742.—इससे उपराव घनसूची में विलिविल औद्योगिक विवाद श्री के० बी० श्रीबास्तव श्रीधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-एवं-श्रम न्यायालय सं० 1, धनबाद के रामकथ लम्बित है ;

श्री श्री के० श्री० श्रीवास्तव की सेवाए॒ प्रब उपलब्ध नही॒ है; प्रतः प्रब, आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33-ब की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री० के० श्री० श्रीवास्तव, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार आधोगिक अधिकरण-एवं-अम न्यायालय सं० 1, धनबाद से उक्त विवाद से संबंधित कार्यवाहियों वापस लेती है और उन्हें उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार अम न्यायालय सं० 3, धनबाद को अन्तरित करती है तथा निरेश देती है कि केन्द्रीय सरकार अम न्यायालय, सं० 3, धनबाद उक्त कार्यवाहियों को उसी प्रक्रम से आरम्भ करेगा जिस पर कि वे उसको अन्तरित की गई हैं तथा उनका निपटान विधि के अनुसार करेगा।

अनुसूची

फा भारतीय स्टेट बैंक, डॉल्टनगंज के प्रबन्धकों की, श्री कामेश्वर प्रसाद, लिपिक-एवं-टंकक की सेवाए॒, 19-2-70 से समाप्त करने की कार्यवाहि उचित है? यदि नही॒ तो वह किस अनुसूची का हकदार है?

[फा० सं० एस०-12012/1/76-डी० II-ए]

जगदीश प्रसाद, प्रबर सचिव

ORDER

New Delhi, the 25th February, 1978

S.O. 742.—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri K. B. Srivastava, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1 at Dhanbad;

And whereas the services of Shri K. B. Srivastava are no longer available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33-B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri K. B. Srivastava, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Dhanbad and transfers the same to the Central Government Labour Court No. 3, at Dhanbad constituted under Section 7-A of the said Act and directs that the Central Government Labour Court No. 3, at Dhanbad shall proceed with the said proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the State Bank of India Daltonganj in terminating the services of Shri Kamleshwar Prasad, Clerk-cum-Typist with effect from 19-2-70 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[F. No. L-12012/1/76-D. II. A]

JAGDISH PRASAD, Under Secy.

New Delhi, the 28th February, 1978

S.O. 743.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Oriental Bank of Commerce Ltd., New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 22-2-1978.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 170 of 1977

In Re:

BETWEEN

Shri J. R. Madan S/o. Shri Amir Chand,
Village Assandh,
District Karnal.

AND

The Chairman,
Oriental Bank of Commerce Ltd.,
E-Block, Connaught Place,
New Delhi.

PRESENT:

Shri J. R. Madan—workman in person.

Shri Harish Chandra, Advocate—for the Management.

AWARD

The Central Govt. as appropriate Govt. referred an Industrial Dispute vide its reference No. L-12012/88/74/LRIII, dated the 30th September, 1974 in the following terms to Industrial Tribunal, Chandigarh :

"Whether the action of the management of Oriental Bank of Commerce Limited, New Delhi in terminating the services of Shri J. R. Madan, Clerk-cum-Cashier at Rajond (Jind) Branch of the Bank with effect from the 6th June 1974 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. After usual notices were issued to the respective parties, parties filed their statement of claim and written statement and in consequence following issues were framed for trial:

1. Whether Shri J. R. Madan, the concerned workman was a temporary employee and was his termination of services legal and justified?

2. If issue No. 1 is found against the management and for the workman, what relief, if any, is he entitled?

3. Thereafter evidence was ordered to be recorded and before evidence could be completed by the Industrial Tribunal, Chandigarh the case was ordered to be transferred to Industrial Tribunal, Delhi by the appropriate Govt. and before any proceedings could be held by the Industrial Tribunal, Delhi, the case was transferred to this Tribunal for disposal according to law.

4. After usual notices were issued to the parties they appeared before this Tribunal and case was adjourned for evidence of the workman. The evidence of the workman was recorded and thereafter talks for compromise started between the parties and ultimately a compromise has been arrived at between parties. A compromise Ex. C/1 was filed in pursuance of the talks between the parties and the said compromise was ordered to be recorded and the statement of Shri J. R. Madan, workman and Shri Harish Chandra, Advocate for the Bank was recorded on 20-12-1977. It is in these circumstances that the case has come up for final disposal before me. I have satisfied myself and found that compromise is for the benefit of the workman and as such it was recorded. Accordingly an award in terms of compromise Ex. C/1 is hereby made in the matter under reference and accordingly it is directed that the Management would appoint the present workman on permanent basis as a clerk and a letter of appointment shall be issued to him by the Assistant General Manager's Office Chandigarh. It is further ordered that the workman shall be deemed to have entered service on permanent basis afresh on the date he reports for duty in pursuance of appointment letter which will be issued to the workman not later than 16th January, 1978. It is further ordered that in consideration of the proposal of the Bank to appoint the workman Shri J. R. Madan on permanent basis as a clerk in the usual grade and according to usual service conditions the workman shall be deemed to have given up his entire claim for back wages.

Parties would bear their own costs.

Requisite number of copies of the award may be sent to the appropriate Government for necessary action.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated : 20th December, 1977.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL),
NEW DELHI

Reference No. 7/C of 1974

Shri J. R. Madan—Workman

Versus

The Oriental Bank of Commerce Ltd.—Management.
Sir,

The workman and the management respectfully submit as under :—

1. That a reference has been made by the Central Government to this Hon'ble Tribunal and the case is fixed for 20-12-1977 for compromise.

2. That the management has agreed to appoint the aforementioned workman on permanent basis as a clerk and a letter of appointment shall be issued to him by the Assistant General Manager's Office, Chandigarh. On the other hand, the workman has given up the claim for back wages and/or any other benefits claimed. Therefore, in consideration of the management appointing the aforementioned workman in a regular cadre of the bank, the workman has given up all his claims and award may please be passed, accordingly.

It is, therefore, respectfully prayed that as per the aforesaid settlement an award may be passed and the workman, shall not have any claim of whatsoever nature against the

management.

Workman

Sd/-

J. R. Madan,
New Delhi,
20-12-1977.

Management

Sd/-

[F. No. L-12012/88/74-LRIII/D. II(A)]

S.O. 744.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Allahabad Bank, New Delhi, and their workmen, which was received by the Central Government on 22-2-78.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 16 of 1977

BETWEEN

Shri L. N. Bhayal, General Secretary, Rajasthan Bank
Employees Union, C/o Punjab National Bank,

Station Road, Bikaner (Regarding Shri Hari Ballabh Tewari).

AND

The Regional Manager, Allahabad Bank, 17, Parliament Street, New Delhi.

AWARD

The Central Government as appropriate Government made a reference vide its order No. L. 12012/159/76-D.II A, dated the 16th February, 1977 in the following terms to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Allahabad Bank, 17, Parliament Street, New Delhi in terminating the services of Shri Hari Ballabh Tewari, a subordinate staff of Swai Madhopur Branch of the Bank with effect from 20-5-76 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?

2. On receipt of this reference usual notices were issued to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman—Union and the case was adjourned for written statement but before written statement could be filed parties requested for adjournment for a compromise and finally the parties filed a compromise and the said compromise is Ex. C/1. From the perusal of the compromise I find that the compromise is for the benefit of the workman and accordingly it was ordered to be recorded and the statement of the Bank representative was recorded. It is stated by Shri Rama Kant as follows :

'I tender compromise Ex. C/1 which has been arrived at between the parties. The workman has already joined his duty. An award may be made according to C/1.'

Accordingly it is awarded that the Bank shall absorb the workman Hari Ballabh Tewari in permanent service as a peon at Jaipur with retrospective effect from 8th October, 1977 on usual terms and conditions in accordance with compromise Ex. C/1. The compromise has been executed by Shri R. G. Khandelwal, Provincial President for the Union and is evidenced by the workman, Shri Hari Ballabh Tewari and Shri Inder Jeet Sharma. On behalf of the Management Shri Rama Kant, P. Regional Manager.

Parties would bear their own costs.

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated : 26th December, 1977.

[F. No. L-12012/159/76-D.II(A)]

R. P. NARULA, Under Secy.

